लखनऊ

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार 8 जुलाई 2025
वर्ष : 10 । अंक: 351
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हमें परिमित निराशा को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन अपरिमित आशा को कभी नहीं खोना चाहिए। - मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi
NIGHT 26° Low

## संक्षेप

### 1984 ऑपरेशन ब्लू स्टार : निशिकांत दुबे का दावा, 'ब्रिटेन ने इंदिरा गांधी का दिया था साथ

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 1984 के स्वर्ण मंदिर हमले को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटेन के साथ मिलकर स्वर्ण मंदिर पर हमला किया था। भाजपा नेता अपने एक्स हैंडल पर गृह सचिव की एक कथित रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा,1984 में स्वर्ण मंदिर पर हमला ब्रिटेन के साथ मिलकर किया गया। ब्रिटिश सेना के अधिकारी अमृतसर में मौजूद थे। कांग्रेस के लिए सिख समुदाय सिर्फ खिलौना है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 1960 में करतारपुर साहिब पाकिस्तान को देने का समझौता सरदार स्वर्ण सिंह ने किया, 1984 में सिखों के कत्लेआम को छुपाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को बचाया गया और 2004 में मनमोहन सिंह को कठपुतली प्रधानमंत्री बनाया गया। भाजपा ने गृह सचिव की एक कथित गोपनीय चि_ी साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय अधिकारियों ने स्वर्ण मंदिर से सिख चरमपंथियों को हटाने के लिए ब्रिटेन से सलाह मांगी थी। ये खत विदेश एवं राष्ट्रमंडल कार्यालय के निजी सचिव ब्रायन फॉल ने तत्कालीन गृह सचिव के निजी सचिव ह्यूग टेलर को लिखा था। इस खत के जरिए निशिकांत ने अपने दावे को पुख्ता किया है। इसमें लिखा है, विदेश सचिव ने इस अनुरोध पर सहमति दी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री की मंजूरी से एक शिरोमणि अकाली दल के अधिकारी ने भारत का दौरा किया। इस अधिकारी ने एक योजना बनाई, जिसे इंदिरा गांधी ने मंजूरी दी। योजना को जल्द लागू करने की संभावना थी। इसमें कहा गया है कि स्वर्ण मंदिर में इस कार्रवाई से पंजाब में सांप्रदायिक हिंसा भड़क सकती थी, जिससे भारत और ब्रिटेन में सिख समुदाय के बीच तनाव बढ़ने का खतरा था, खासकर अगर ब्रिटिश विशेष बल (एसएएस) की भूमिका उजागर हो जाती। इसलिए, इस जानकारी को भारत और लंदन में गोपनीय रखा गया।

### खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया को अमेरिका से लाया जाएगा भारत, 14 से ज्यादा आतंकी वारदातों में शामिल

नई दिल्ली/चंडीगढ़। पंजाब में सिलसिलेवार आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार कुख्यात गैंगस्टर और खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया को अमेरिका से भारत लाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान पंजाब में आतंक का चेहरा बन चुके हैप्पी को अप्रैल में अमेरिका के सैक्रामेंटो से हिरासत में लिया गया था। वह वर्तमान में अमेरिकी एजेंसी ड्रूष्टश्व की कस्टडी में है। बीते 17 अप्रैल को हैप्पी पासिया को अमेरिका में कस्टडी में लिया गया था. एनआईए ने हैप्पी पासिया के सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उस पर पंजाब में 14 से अधिक आतंकी घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है, जिनमें हैंड ग्रेनेड हमले, पुलिस थानों को निशाना बनाना और धमाकों की जिम्मेदारी लेने वाली सोशल मीडिया पोस्ट शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ड्रूष्ठ और खालिस्तानी आतंकी संगठनों जैसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल के संपर्क में था।

# संविधान की प्रस्तावना माता-पिता की तरह, इसे कभी बदला नहीं जा सकता: उपराष्ट्रपति धनखड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज सोमवार को कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है और इसे बदला नहीं जा सकता, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले। हाईकोर्ट के जज के घर से मिले कैश पर धनखड़ ने कहा कि अब मुद्दा यह है कि अगर कैश मिली है तो सिस्टम को तुरंत काम करना चाहिए था। मामले पर एफआईआर दर्ज किया जाना चाहिए और पैसे के स्रोत का पता लगाया जाना चाहिए।

संविधान का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, "संविधान की प्रस्तावना को लेकर कई मुद्दे रहे हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है। आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, आप अपने माता-पिता की भूमिका को नहीं बदल सकते क्योंकि यह संभव नहीं है।"

कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (NUALS) में छात्रों और शिक्षकों से बातचीत के दौरान उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इस बात पर उन्होंने अफसोस भी जताया कि इमरजेंसी के दौर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था।

इमरजेंसी के दौर में संविधान में बदलाव की आलोचना करते हुए जगदीप धनखड़ ने कहा, "हमारे संविधान की प्रस्तावना में ऐसे समय में बदलाव किया गया जब सैकड़ों और हजारों की संख्या में लोग जेल में थे, हमारे लोकतंत्र का सबसे काला दौर था- इमरजेंसी का दौर।"

### आंबेडकर के संविधान का हिस्सा नहीं था: धनखड़

उपराष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आरएसएस ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने की मांग की है। इस मसले पर आरएसएस का कहना है कि इन्हें इमरजेंसी के दौरान शामिल किया गया था और ये कभी भी बीआर आंबेडकर की अगुवाई में तैयार किए गए संविधान का हिस्सा नहीं थे। पिछले महीने 26 जून को नई दिल्ली में इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा, "बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में कभी भी इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

### कानून के समक्ष सभी समान, हर अपराध की हो जांच : उपराष्ट्रपति

एक जस्टिस के घर पर कथित तौर पर भारी मात्रा में मिले जले नोट को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, "संवैधानिक प्रावधान के तहत जज से निपटने के संवैधानिक तंत्र के साथ आगे बढ़ना एक रास्ता है, लेकिन यह कोई समाधान नहीं है क्योंकि हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं जो हम हैं। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है जहां कानून का शासन होना चाहिए, कानून के समक्ष सभी के लिए समानता होनी चाहिए जिसका अर्थ है कि हर अपराध की जांच हो।" उन्होंने कहा, "यदि पैसे की मात्रा इतनी बड़ी है, तो हमें पता लगाना होगा। क्या यह दागी पैसा है? इस पैसे का स्रोत क्या है? यह किसी जज के आधिकारिक आवास तक कैसे पहुंच गया? आखिर यह किसका था? इस प्रक्रिया में कई दंडात्मक प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है।"

## क्यों बिहार में नहीं चलेगा आधार कार्ड? वोटर लिस्ट पर बवाल के बीच तेजस्वी ने चुनाव आयोग से पूछे ये सवाल

**पटना, एजेंसी।** बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को हमने चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और उनके सामने अपने सवाल रखे थे। चिंता की बात यह है कि अभी तक हमें चुनाव आयोग से कोई स्पष्टता नहीं मिली है। आप सभी जानते हैं कि बिहार चुनाव आयोग केवल डाकघर की तरह काम करता है और उसे जवाब देने का कोई अधिकार नहीं है। कल चुनाव आयोग ने तीन अलग-अलग निर्देश जारी किए। इससे साबित होता है कि वह भ्रमित है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आयोग के विज्ञापन में कुछ और निकलता है और आदेश कुछ और निकाला जाता है। विज्ञापन में कहा जाता है कि बिना दस्तावेज के भी गणना प्रपत्र भर कर जमा करें, लेकिन आदेश विरोधा भाषी निकल जाता है। विज्ञापन और आदेश में भारी अंतर है। नया वोटर कार्ड बनाने के लिए फॉर्म 6 का मानक आधार कार्ड है, लेकिन पुनरीक्षण में आधार कार्ड आखिर मान्य क्यों नहीं है। आयोग हमारी शंकाओं का बिंदुवार जवाब दे। इसका राजनीतिक दुरुपयोग निष्पक्षता से रोकने का उपाय करे।

### 9 जुलाई को चक्का जाम किया जाएगा- कांग्रेस

उन्होंने कहा कि जो लोग इस काम में लगाए गए हैं वो लोग कौन हैं, सरकारी या गैर सरकारी कर्मचारी, इनकी सूची आयोग को जारी करनी चाहिए। वहीं, उन्होंने बिहार में अपने गठबंधन को लेकर कहा कि हमारा गठबंधन चुनाव आयोग की ओर से जारी विरोधाभासी निर्देशों और विज्ञापनों पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि आयोग पूरी तरह से कंफ्यूज है। उसको समझ नहीं आ रहा है कि कौन सा निर्णय लिया जाए कौन सा न लिया जाए। उसने दावा किया कि बिहार में 9 जुलाई को चक्का जाम किया जाएगा और इस चक्का जाम में पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

## 'हर मंडल, हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे', संघ ने घर-घर संपर्क की भी योजना बनाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश की सुरक्षा के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी चर्चा की गई है। मणिपुर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि इसे पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। संघ का मानना है कि देश हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हासिल कर रहा है। हालांकि, इस विकास को हर दृष्टि से सर्व समावेशी बनाने के लिए संघ काम करेगा। इसके लिए हर मंडल और हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 11360 से अधिक सामाजिक सद्भाव बैठकों को आयोजित करने का निर्णय किया गया है। इस बार विजयादशमी को संघ के ड्रेस कोड में

स्वयंसेवक पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज को सुदृढ़ करने के लिए घर-घर संपर्क करने की संघ की योजना है। संघ के सभी संगठनात्मक 924 जिलों में राष्ट्र और हिंदुत्व के महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कराई जाएगी। संघ ने हर समाज और हर वर्ग के लोगों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इनके माध्यम से हिन्दू समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने की योजना है।

संघ ने अपनी इस बैठक में माना है कि देश हर दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें देश-विदेश, शिक्षा, व्यापार और आर्थिक क्षेत्र शामिल है। लेकिन इसके साथ साथ संघ पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत बनाने के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य समाज को हर क्षेत्र में भागीदार बनाने और समाज को सर्व समावेशी बनाना है। पंच परिवर्तन के द्वारा देश-समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच आयोजित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुए हैं। 40 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 17609 लोगों ने प्रशिक्षण हासिल किया। 8812 स्थानों से आये शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। 40 से 60 वर्ष की आयु के 4270 लोगों ने संघ शिक्षा वर्ग में हिस्सा लिया है।

## अपराधियों की अब खैर नहीं : दीवार के पार देखेगा 'रडार', बिना सामने आए दुश्मन का सफाया करेगा 'कॉर्नर शॉट' हथियार

**पटना, एजेंसी।** बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष के निशाने पर रही नीतीश कुमार सरकार ने अब पुलिस को आधुनिक और घातक हथियारों से लैस करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (स्ज्जस्न) के लिए 5 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है, जिससे ऐसे हाईटेक हथियार खरीदे जाएंगे जो जवानों के लिए सुरक्षित लेकिन अपराधियों के लिए काल साबित होंगे। इन हथियारों में सबसे प्रमुख 'थ्रू-द-वॉल रडार' और 'कॉर्नर शॉट वेपन सिस्टम' हैं, जो अब तक केवल हॉलीवुड फिल्मों या दुनिया की कुछ चुनिंदा सेनाओं के पास ही देखे जाते थे।

गृह विभाग की मंजूरी के बाद अब स्ज्जस्न 'थ्रू-द-वॉल रडार' सिस्टम खरीदेगी। यह एक ऐसा उपकरण है जो किसी भी घर या इमारत के अंदर छिपे अपराधियों की सटीक संख्या और उनकी लोकेशन बता सकता है। यह रडार 20 मीटर दूर से 12 इंच मोटी दीवार के पार भी देख सकता है। इससे किसी भी ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले स्ज्जस्न को अंदर की पूरी जानकारी मिल जाएगी, जिससे जवानों के जीवन का जोखिम कम होगा और ऑपरेशन की सफलता दर बढ़ेगी। इस खरीद में दूसरा सबसे घातक हथियार 'कॉर्नर शॉट वेपन सिस्टम' है। एनकाउंटर के दौरान अक्सर अपराधी किसी दीवार, पेड़ या कोने की आड़ लेकर फायरिंग करते हैं, जिससे जवानों को खतरा होता है। यह इजरायली तकनीक पर आधारित हथियार जवान को बिना दुश्मन के सामने आए, कोने के दूसरी तरफ छिपे अपराधी को निशाना बनाने की ताकत देगा। इसमें एक कैमरा और स्क्रीन लगी होती है, जिससे जवान सुरक्षित जगह पर रहकर ही दुश्मन को देखकर उस पर सटीक निशाना लगा सकता है। गृह विभाग द्वारा स्वीकृत 5 करोड़ रुपये की राशि से स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के लिए विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। इन उपकरणों में एक 'थ्रू-द-वॉल रडार' सिस्टम शामिल है, जो दीवारों के आर-पार देखने में सक्षम होगा, साथ ही दो 'कॉर्नर शॉट वेपन' सिस्टम भी खरीदे जाएंगे, जिससे जवान सुरक्षित रूप से कोनों से निशाना लगा सकेंगे। इसके अतिरिक्त, दस नाइट विजन डिवाइस रात के अंधेरे में निगरानी और कार्रवाई में मदद करेंगे। संचार को बेहतर बनाने के लिए पचास-पचास एलईडी ड्रैगन लाइट और वॉकी-टॉकी भी खरीदे जा रहे हैं।

सुरक्षा बलों को बिना गोली चलाए अपराधियों को निष्क्रिय करने में सक्षम बनाने के लिए दस नॉन-लीथल डिवाइस और जवानों के लिए 80 हल्के टेंट के साथ-साथ कई अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी खरीदे जाएंगे। इस आधुनिकीकरण से बिहार स्ज्जस्न की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई में उन्हें एक बड़ी तकनीकी बढ़त हासिल होगी।

## सड़कों पर नग बेचने से लेकर लड़कियों के धर्मांतरण करने तक... छांगुर बाबा निकला 100 करोड़ का मालिक, अब ईडी ने कसा शिकंजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश का रहने वाला जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा अब जांच एजेंसियों के निशाने पर है। कुछ साल पहले तक सड़कों पर अंगूठी और नग बेचने वाला यह शख्स अब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति का मालिक बताया जा रहा है। यूपी एटीएस की जांच में इस बाबा की संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ है, जिसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी गई है। एटीएस ने छांगुर बाबा को अवैध धर्मांतरण नेटवर्क संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि पिछले 5-6 वर्षों में उसने न सिर्फ आलीशान कोठियां और लग्जरी गाड़ियां खरीदीं, बल्कि कई फर्जी संस्थाएं भी खड़ी कर लीं। बलरामपुर जिले के मधपुर गांव में बनी उसकी कोठी इस नेटवर्क का मुख्य अड्डा थी। यहीं से पूरा धर्मांतरण नेटवर्क संचालित होता था। यूपी एटीएस और एसटीएफ की टीमें इस नेटवर्क से जुड़े 14 प्रमुख सहयोगियों की तलाश में जुटी हैं। इनमें कथित पत्रकार पैमैन रिजवी, महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर और सगीर जैसे नाम शामिल हैं। इनकी गिरफ्तारी से पूरे नेटवर्क की जड़ें और गहराई से उजागर हो सकती हैं। कई सहयोगी आजमगढ़, औरैया और सिद्धार्थनगर जिलों से हैं, जिनके खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। छांगुर बाबा ने मधपुर स्थित अपनी कोठी के परिसर में डिग्री कॉलेज खोलने की भी योजना बना रखी थी और इसके लिए भवन निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया था। लेकिन उसकी गिरफ्तारी के बाद यह योजना ठप पड़ गई है। प्रदेश के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश ने बताया कि जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने अब तक 40 से 50 बार इस्लामिक देशों की यात्रा की है। बलरामपुर में उसने कई संपत्तियां भी खरीदी हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि उसके खातों और उससे जुड़ी संस्थाओं में 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ है। अब तक इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एसटीएफ का कहना है कि इस नेटवर्क की पहुंच देश के कई राज्यों में फैली हुई है। जांच एजेंसियों को शक है कि इस नेटवर्क को खाड़ी देशों से विदेशी फंडिंग मिल रही थी, जिसकी पड़ताल की जा रही है।

# अखिलेश यादव का वादा- कांवड़ियों के लिए बनाएंगे कोरिडोर, दुकानें चलेंगी, ट्रैफिक चलेगा और कांवड़ियां भी चलेंगे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर योगी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने पूछा है कि सरकार ने कांवड़ियों के लिए क्या किया है? साथ ही साथ उन्होंने दावा किया है कि उनकी सरकार आएगी तो कांवड़ियों के लिए अलग से कॉरिडोर बनाया जाएगा। यही नहीं, अखिलेश यादव ने वृंदावन कॉरिडोर को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि योगी सरकार बताए कि उसने कांवड़ियों क्या इंतजाम किया है? उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार 20 साल के कार्यकाल में कांवड़ियों को लेकर कोई सुरक्षित कॉरिडोर नहीं बना सकी। दोनों सरकारें 20 साल का जवाब दें। उन्होंने कहा कि सपा सरकार आएगी तो कांवड़ियों के लिए अलग से कॉरिडोर बनाएंगे और ऐसा कॉरिडोर बनेगा जिससे ट्रैफिक बाधित नहीं होगा, दुकाने भी चलेंगी और कांवड़ियों को भी किसी तरह की परेशानी नहीं होगी

### वृंदावन कॉरिडोर है कूड़े और गंदगी का अंबार

अखिलेश यादव ने वृंदावन कॉरिडोर को लेकर कहा कि वृंदावन में कूड़े और गंदगी का अंबार है। वृंदावन की गलियां रास्ता नहीं, हमारी आस्था हैं। लेकिन बीजेपी सरकार ने कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पूरे यूपी का सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हो चुका है। नालों की गंदगी नदियों में जा रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि मथुरा वृंदावन बीजेपी को कभी माफ नहीं करेगा। आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

### सरकार बदली तो घोटाले की जांच होगी

सपा प्रमुख ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जब सपा की सरकार आएगी, तो मुआवजा घोटाले की जांच होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने जितने घोटाले किए होंगे, सबको उजागर किया जाएगा। बिहार चुनाव से इसकी शुरुआत की जाएगी। सपा प्रमुख ने कहा कि जब सपा की सरकार आएगी तो कांवड़ियों के लिए एक अलग कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिससे कांवड़ियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

### बीजेपी की नजर रहती है जमीन पर

सपा प्रमुख ने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि बीजेपी की नजर हमेशा जमीन पर रहती है। फिर चाहे वह कॉरिडोर बनाना हो या कुछ और। यही खेल उन्होंने अयोध्या के कॉरिडोर बनाने में खेला। उन्हें यह नहीं पता कि चौड़ीकरण से व्यवस्था नहीं बनती। सड़कें चौड़ी करने से बेहतर है मैनेजमेंट बेहतर करें। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी नाले पर रिवर फ्रंट बन रहा हो। बीजेपी सरकार के कार्यकाल में सब कुछ संभव है। वह नाले पर रिवर फ्रंट बना रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी महा भ्रष्टाचारी है। वह अपने लोगों को खुश करने के लिए गरीबों से पैसे लूटती है। बहुत सालों से रह रहे अयोध्यावासियों को भी उन्होंने बाहर फेंक दिया।

### केवल कपड़े पहनने से कोई बाबा नहीं बन जाता

सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ पर निशाने साधते हुए कहा कि केवल कपड़े पहनने से कोई व्यक्ति बाबा या सनातनी नहीं हो जाता। सनातनी वहीं होता है जिसके अच्छे विचार होते हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि अन्याय करने वाले कभी सनातनी नहीं हो सकते, सच्चा रास्ता ही धर्म का रास्ता है। जो लोग बच्चे से राजनीति करवाते हैं, वह किस तरह सतानती हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में बच्चों से राजनीति कराई जा रही है। हमने मदद की पेशकश की तो बच्ची से हमें बुरा कहलवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर के डीएम से कहना चाहूंगा की सियासत बड़ों का खेल है, इसमें बच्चों को न शामिल किया जाए।

# नाविक की चुभ गई बात, साहूकार ने नदी पर बनवा दिया पुल, 200 साल पुराने धरोहर के अस्तित्व पर मंडराया संकट

आर्यावर्त संवाददाता

**गाजीपुर।** ये कहानी है एक पुल की, जिसका इतिहास 200 साल से भी पुराना है। एक साहूकार को नदी पार करने के लिए नाव की जरूरत थी। नाविक ने ताना दिया कि पैसे वाले हो तो पुल क्यों नहीं बनवा लेते। यह बात साहूकार के दिल पर लग गई। साहूकार ने नाविक की बात को चुनौती के रूप में लेते हुए अगले कुछ महीनो में नदी पर पुल तैयार करवाया। ये पुल आज भी मजबूती से खड़ा है। लेकिन अब इसके अस्तित्व पर संकट छा गए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा NH 124D के निर्माण और एक नए पुल के प्रस्ताव के चलते इस पुराने पुल को तोड़ने की बात चल रही है। हालांकि, स्थानीय

समाजसेवी और नागरिक इस धरोहर को बचाने के लिए NHAI अधिकारियों से लगातार संपर्क कर रहे हैं और इसके सौंदर्यीकरण व संरक्षण की मांग कर रहे हैं।

## नदी के जरिए आवागमन और व्यवसाय

गाजीपुर नदी के किनारे बसा हुआ है। पहले के समय आवागमन और व्यवसाय भी नदी के माध्यम से हुआ करता था। बात करें करीब 200 साल पहले की, तब सैदपुर सादात मार्ग पर हीरानंदपुर गांव के पास गांगी नदी बहा करती थी। इसी नदी को पार कर लोग जिला मुख्यालय या तहसील मुख्यालय पहुंचते थे।

उस वक्त सादात इलाके के भोला साव एक बड़े साहूकार के रूप में जाने जाते थे और उन्हें उन दिनों तहसील मुख्यालय किसी कार्य से आना था। उन्होंने नदी किनारे पहुंचकर नाविक को आवाज़ लगाई, तब नाविक ने उन्हें खुद पुल बनवाने का ताना दिया और उस ताने के बाद साहूकार भोलानाथ ने निर्णय लिया कि आगे से कभी नाव यात्रा नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने उस नदी पर स्वयं के खर्चे पर पुल का निर्माण कर डाला जो आज भी मौजूद है।

## क्या टूट जाएगा पुल?

इसी पुल के बगल से होकर एक हाईवे 124 डी भी निकल रही है। उस हाईवे के बनने को लेकर इस पुल को भी तोड़े जाने की बात आ रही है। इसकी जानकारी कुछ दिनों पहले स्थानीय लोगों को हुई थी, तब उस वक्त कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पहल करते हुए एनएचआई के अधिकारियों से संपर्क कर इस पुल को न तोड़ने के लिए ज्ञापन सोपा था। क्योंकि इसे स्थानीय लोग धरोहर मानते हैं, तब एनएचआई के जनरल मैनेजर ने आश्वासन दिया था कि पुल की मरम्मत और सुंदरीकरण कर यथावत रखा जाएगा।

लेकिन अब, नए पुल निर्माण का मामला फिर से सामने आने के साथ, पुराने पुल को तोड़ने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। क्षेत्र के निवासी संजय सिंह ने एक बार फिर NHAI अधिकारियों से अपील की है कि इस पुराने पुल को न तोड़ा जाए। उन्होंने मांग की है कि इसे पैदल यात्रियों के लिए यथावत रखा जाए और इसका मरम्मत व सौंदर्यीकरण कराया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस ऐतिहासिक धरोहर और इसके पीछे की कहानी को जान सकें।

इस संबंध में NHAI से पत्राचार करने वाले आशुतोष ने बताया कि जिस मैनेजर को पहले पत्र दिया गया था, उनका तबादला हो चुका है और उसके बाद तीन और मैनेजर बदल चुके हैं। वर्तमान में, ऐतिहासिक पुल के बगल में नए पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। आशुतोष ने उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में इस पुल का सौंदर्यीकरण कराकर इसकी ऐतिहासिकता बरकरार रखी जाएगी।

# अमरोहा में भीषण हादसा, हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार ; हेड कॉन्स्टेबल व पत्नी की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गजरौला।** दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रक में पीछे से कार घुस गई। हादसे में कार सवार पुलिस की स्पेशल ब्रांच में हेड कॉन्स्टेबल व उनकी पत्नी की मौके पर मौत हो गई। जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

मूल रूप से मुजफ्फरनगर के खतौली कस्बे के रहने वाले 38 वर्षीय जब्बार जैदी अमरोहा में स्पेशल ब्रांच में हेड कॉन्स्टेबल थे। सोमवार की दोपहर करीब तीन बजे वह अपने घर से कार में सवार होकर अमरोहा जा रहे थे। साथ में उनकी 35 वर्षीय पत्नी उर्शी व दो बच्चे भी थे। जब वह गजरौला में हाईवे पर नोबल पब्लिक स्कूल के सामने पहुंचे तो यहां खड़े एक ट्रक में उनकी कार पीछे से घुस गई। हादसे में हेड

कांस्टेबल व उनकी पत्नी की मौके भारी मौत हो गई। जबकि दोनों बच्चे घायल हो गए। मौके पर जुटी भीड़ ने आनन-फानन में घायल बच्चों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, यहां से हायर सेंटर के लिए भेज दिया गया। उधर, मृतक दंपति के शव को मौके से ही पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया गया है। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया गया। सीओ अंजली कटारिया ने बताया कि हादसे में दंपति की मौत हुई है। घायल बच्चों का उपचार चल रहा है। वह खतरे से बाहर हैं।

# बी चंद्रकला को महिला कल्याण के साथ बाल विकास पुष्टाहार विभाग का अतिरिक्त प्रभार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बी चंद्रकला को योगी आदित्यनाथ सरकार ने अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। तेज तर्रार अधिकारी की छवि वाली बी.चंद्रकला को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वीना कुमारी मीना के विदेश दौरे पर जाने के कारण अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश में आईएएस अधिकारियों के तबादले होने के साथ अतिरिक्त प्रभार सौंपे जा रहे हैं। बी.चंद्रकला को सचिव बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बी. चंद्रकला 2008 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और उनके पास सचिव महिला कल्याण विभाग का पद पहले से ही है। महिला कल्याण विभाग से पहले उनके पास पंचायती राज विभाग था।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में जिम्मेदार अधिकारियों को और भी जिम्मेदारियां सौंप रही है। इसके तहत आईएएस से लेकर आईपीएस अधिकारियों का तबादला भी किया जा रहा है और उनको अन्य विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा जा रहा है। इसी क्रम में आईएएस अफसर बी.चंद्रकला को बाल विकास पुष्टाहार का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है। बी चंद्रकला मूल रूप से तेलंगाना की रहने वाली हैं।

आईएएस अधिकारी वीना कुमारी मीना लंबी छुट्टी पर चली गई हैं। आईएएस वीना कुमारी विदेश यात्रा के चलते छुट्टी पर चली गई है। वीना कुमारी मीना 1993 बैच की सीनियर आईएएस अधिकारी हैं और वह 27 जुलाई तक रूस की यात्रा पर रहेंगी। इसके बाद उनका अपर मुख्य सचिव के पद पर प्रमोशन भी होना है। आईएएस अफसर वीना कुमारी मीना और आलोक कुमार द्वितीय को अपर मुख्य सचिव के पद पर प्रोन्नत किया जाएगा। 2021 बैच के अन्य 17 आईएएस अफसरों को भी उच्च वेतनमान मिलेगा।

वीना कुमारी मीना के पास प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आबकारी और बाल विकास पुष्टाहार विभाग था। इसमें से प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आबकारी विभाग आईएएस अफसर पार्थ सारथी सेन शर्मा को अतिरिक्त प्रभार मिल गया है। बी. चंद्रकला को महिला कल्याण के साथ-साथ बाल विकास पुष्टाहार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बी. चंद्रकला 2008 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई बड़ी जिम्मेदारी संभाली है। बी. चंद्रकला प्रतापगढ़, हमीरपुर, मथुरा, बुलंदशहर, बिजनौर व मेरठ की जिलाधिकारी भी रह चुकी हैं।

## वर्षों से एक ही थाने में जमे पुलिस कर्मियों का अब होगा ट्रांसफर

**सुलतानपुर।** जिले के थानों में सालों से कब्जा जमाए कर्मचारियों का फेरबदल होगा जल्द शुरू। पुलिसिंग को चुस्त दुरूस्त करने के लिए एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने तैयारी कर ली है। इससे हरेक थाना प्रभावित होगा। नई बनने वाली सूची में थानेदार, हवलदार से लेकर आरक्षक स्तर तक के कर्मचारियों को शामिल किया गया है। पुलिस थानों में बेहतर पुलिसिंग के लिए रोटेशन प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाया जाता है। इससे जहां पुलिस की कार्यप्रणाली चुस्त दुरूस्त रहती है, तो वहीं दूसरी ओर पुलिसकर्मी रिचार्ज भी होते रहते है। बावजूद उसके पिछले कई सालों से इसपर ध्यान नहीं दिया गया है। इसका फायदा पुलिसकर्मी उठा रहे है। कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, कुड़वार, धम्मौर, कूडेभार, दोस्तपुर, बल्दीराय, लंभुआ, अंखडनगर, कादीपुर जैसे थाना क्षेत्र शामिल है। इन थानों में अधिकांश जवान और प्रधान आरक्षक ऐसे है।

# जनहित मुद्दों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

## किसानों की समस्या को जल्द करें दूर अन्यथा होगा व्यापक आंदोलन: तेज बहादुर पाठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुलतानपुर।** कांग्रेस नेताओं ने जनपद की जनहित मुद्दों को लेकर शहर के तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेता व पूर्व 'कार्यवाहक जिलाध्यक्ष तेज बहादुर पाठक के नेतृत्व व जिला उपाध्यक्ष सिराज अहमद, एडवोकेट मिर्जा अकरम बेग, अमोल बाजपेई योगेश पांडे सलाउद्दीन हाशमी रणजीत सिंह सलूजा' सहित अन्य नेताओं के सहयोग से शहर स्थित तिकोनिया पार्क में किसानों को समय से खाद बीज व नहरों में पानी टेल तक ना पहुचाएं जाने अथवा जयसिंहपुर ब्लॉक स्थित सेमरी मौहरिया बाजार में बनी 3 मीटर की सीसी रोड के दोनों तरफ जल निकासी न होने को लेकर जमकर प्रदर्शन किया उसके बाद जिलाधिकारी को तीन सूत्रीय मांग पत्र देकर समस्या का जल्द निस्तारण करने की मांग किया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई की जयसिंहपुर के सेमरी मौहरिया बाजार में

बनी 3 मीटर की सीसी रोड के दोनों तरफ पक्की नाली का निर्माण सुनिश्चित हो जिससे आवागमन सुचारू रूप से चल सके। सूखी पड़ी नहरो में पानी टेल तक पहुंचाया जाए जिससे किसानो को धान की रोपाई में कोई समस्या ना उत्पन्न हो। सरकारी सोसाइटियों पर खाद की किल्लत को दूर किया जाए आदि मांगों को लेकर कांग्रेसियों में जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर समस्या को दूर किए जाने की मांग की है। इस दौरान 'कांग्रेस नेता पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष तेज बहादुर पाठक' ने कहा कि किसानों की समस्याओं को तत्काल दूर किया जाए जिससे उन्हें धान की रोपाई करने में कोई परेशानी ना हो, सरकारी सोसाइटियों पर खाद उपलब्ध व नहरों में पानी टेल तक पहुंचाया जाए जिससे किसान धान की रोपाई कर सकें वहीं उन्होंने कहा कि जयसिंहपुर की सेमरी मौहरिया में 3 मीटर चौड़ी सीसी रोड का निर्माण किया गया उसके दोनों तरफ जल भराव है रोड के दोनों तरफ पक्की नाली का निर्माण सुनिश्चित किया जाए जिससे जल भराव की समस्या दूर हो सके, जल्द ही समस्या का निस्तारण नहीं किया गया तो हम कांग्रेस जन व्यापक आंदोलन करेंगे। 'पूर्व उपाध्यक्ष सिराज अहमद व मिर्जा अकरम बेग' ने कहा कि धान की रोपाई का अति महत्वपूर्ण समय है ऐसे में किसानों की समस्याओं को जल्द दूर किया जाए। पूर्व प्रवक्ता अमोल बाजपेई व कांग्रेस नेता योगेश पांडे ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है यहां किसानों को समय पर पानी व खाद बीज नहीं मिल पा रहा है। इस अवसर पर महेन्द्र प्रताप सिंह, हरख नरायन मिश्रा, प्रेम भारती, राजेश तिवारी महिला प्रदेश महासचिव कंचन सिंह योगेश प्रताप सिंह, पवन मिश्रा नन्हे राजेश ओझा, राजेश श्रीवास्तव, नफीस फारूकी, हाजी फिरोज, शरद श्रीवास्तव, मोहसिन सलीम आदि लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

# सरधना में ताजिया आयोजक को गोली मरी, पुलिस ने आरोपित को मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

**मेरठ।** मोहल्ला ऊंचापुर में मामूली विवाद के बाद ताजिया आयोजक को गोली मार दी गई। हमले से आक्रोशित लोगों ने रविवार को ताजिया निकालने से इन्कार कर दिया। घटना के कुछ घंटे बाद ही आरोपित को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद लोग मान गए। शनिवार रात साढ़े दस बजे ताजिया निकालने की तैयारियों में जुटे मोहल्ला ऊंचापुर निवासी कादिर बेग की मोहल्ले के शोएब उर्फ टिड्डी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शोएब शराब के नशे में था और विवाद के बाद वहां से चला गया। रात करीब डेढ़ बजे शोएब अपने तीन साथियों के साथ वापस आया और कादिर बेग के साथ गाली-गलौज करते हुए फायरिंग कर दी।

गोली कादिर के कंधे में जा लगी। स्वजन गंभीर हालत में घायल को सीएचसी सरधना लेकर पहुंचे। जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। घटना के विरोध में रविवार को मोहल्ले वासियों ने ताजिया निकालने से इन्कार कर दिया। लोगों ने आरोपित की गिरफ्तारी और सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की।

थानाध्यक्ष प्रताप सिंह ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया और जल्द गिरफ्तारी व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का आश्वासन दिया। पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के बाद ही लोग ताजिया निकालने को राजी हुए। इसी बीच रविवार सुबह साढ़े 11 बजे पुलिस की आरोपित शोएब से सरधना-मुल्हैड़ा मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। उसने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से शोएब घायल हो गया। उसके पास एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार शोएब के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

## पौधारोपण कर विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

**प्रयागराज।** अग्रवाल समाज प्रयागराज (पंजीकृत) के तत्वावधान में एवं अग्रवाल युवा मंडल प्रयागराज के संयुक्त प्रयास से आज इलाहाबाद इंटर कॉलेज, जीरो रोड में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. पीयूष रंजन अग्रवाल, अध्यक्ष अग्रवाल जातीय शिक्षा परिषद् ने कहा कि पौधारोपण एक पुनीत कार्य है और युवाओं को इसमें निरंतर भागीदारी करनी चाहिए। जल संरक्षण और हरियाली के प्रति सजग होना समय की मांग है। अग्रवाल समाज प्रयागराज के अध्यक्ष पीयूष रंजन अग्रवाल ने वृक्षारोपण को आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का माध्यम बताया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने इस अभियान को समाज के लिए प्रेरणास्पद बताया एवं महामंत्री अभिषेक मित्तल ने युवाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। स्वागत उद्बोधन इलाहाबाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनंत गुप्ता द्वारा किया गया।

# रेलवे ट्रैक पर जलभराव से ट्रेनों की रफ्तार थमी, लखनऊ मेल समेत कई ट्रेनें घंटों लेट

आर्यावर्त संवाददाता

**हरदोई।** पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में हो रही बारिश के चलते रेलवे स्टेशन के यार्ड सहित ट्रैक पर जल भराव हो जाने से ट्रेनों की गति पर भी ब्रेक लगा है। ट्रैक प्रभावित होने से हरदोई पहुंचने वाली आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से पहुंची, ऐसे में ट्रेन में बैठे रेल यात्रियों और स्टेशन पर अपनी ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे रेल यात्रियों को काफी असुविधा उठानी पड़ी।

हरदोई स्टेशन पर जब यात्री अपनी ट्रेन को पकड़ने के लिए पहुंचे तो इन्हें काफी देर तक अपनी ट्रेन की प्रतीक्षा करनी पड़ी। सोमवार सुबह देहरादून से चलकर बनारस जाने वाली 15120 जनता एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय सुबह के 4:17 मिनट से 2 घंटे 42 मिनट की देरी से हरदोई रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

नई दिल्ली से चलकर लखनऊ जाने वाली 12230 लखनऊ मेल

अपने निर्धारित समय सुबह के 4:42 मिनट से 4 घंटा 10 मिनट की देरी से, योग नगरी ऋषिकेश से चलकर हावड़ा जाने वाली 13010 दून एक्सप्रेस सुबह के 6:10 मिनट से 2 घंटा 59 मिनट की देरी से, चंडीगढ़ से चलकर लखनऊ जंक्शन जाने वाली 15012 सहारनपुर एक्सप्रेस सुबह के 7 बजे से 2 घंटा 26 मिनट की देरी से हरदोई रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

चंडीगढ़ से चलकर लखनऊ जाने वाली 12232 चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस सुबह के 6:25 मिनट से 2 घंटे 18 मिनट की देरी से, फिरोजपुर से चलकर धनबाद जाने वाली 13308 गंगा सतलुज एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय सुबह के 7:40 मिनट से 1 घंटा 58 मिनट की देरी से, अमृतसर से चलकर हावड़ा जाने वाली 13006 पंजाब मेल अपने निर्धारित समय सुबह के 8:24 मिनट से 2 घंटा 9 मिनट की देरी से हरदोई रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

# कांवड़ यात्रा में खलल डालने वालों पर पैनी नजर, 20 से ज्यादा शरारती तत्व चिह्नित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस अधिकारियों की कांवड़ यात्रा में खलल डालने वालों पर पैनी नजर है। जिले के तीनों जोन में 20 से ज्यादा शरारती तत्वों को चिह्नित किया गया है। सभी को पुलिस की ओर से नोटिस भी जारी किए गए हैं। उधर, पुलिस अधिकारी होली के दौरान छह माह के लिए चिह्नित किए 200 से ज्यादा शरारती तत्वों पर नजर बनाए हुए हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां चल रही हैं। सड़कों पर भगवा रंग के साथ-साथ तैयारियों की रौनक भी नजर आ रही है। कांवड़ मार्ग पर साफ सफाई के अलावा सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद रखा जा रहा है। सड़कों पर सीसीटीवी कैमरे भी दुरस्त कराए जा रहे हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी तरह का व्यवधान नहीं हो। इसको

लेकर भी अधिकारी अलर्ट हैं। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा व सेंट्रल नोएडा जाने में असामाजिक तत्वों को चिह्नित किया गया है। तीनों जोन में इस तरह के 20 खुराफाती हैं। सभी को नोटिस भेजकर शांतिभंग की आशंका में पाबंद किया गया है। होली के दौरान पाबंद किए शरारती तत्वों पर नजर रखी जा रही है।

## मुक्त विश्वविद्यालय में 70 कार्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार 7 जुलाई को प्रारंभ दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने माउस दबाकर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में स्पॉट एडमिशन लेने वाले एम जे प्रथम वर्ष के छात्र आवेश कुमार मौर्य को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पाठ्य सामग्री प्रदान की। आवेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री स्तरीय होने के कारण उन्होंने दूरस्थ शिक्षा से पढ़ाई करने का निर्णय लिया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्रियों के लिए तैयार किए गए प्रमाण पत्र कार्यक्रम में निःशुल्क शिक्षा की पहल की है। इसी कड़ी में उद्घाटन अवसर पर दो आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों शकुंतला एवं पुष्पा पटेल को बाल विकास एवं पोषण शिक्षा प्रमाण पत्र कार्यक्रम में निःशुल्क प्रवेश दिया गया।

# मुंह में रिवॉल्वर डाला, बोला-निकाल दूंगा नेतागिरी ... रिटार्यड सीओ के बेटे की दबंगई, युवक को धमकाया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के प्रेमनगर क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सेवानिवृत्त सीओ के बेटे ने सरेआम अपनी दबंगई दिखाई। उसने न केवल एक युवक के मुंह में रिवॉल्वर की नाल डाल दी, बल्कि उसे धमकाते हुए कहा कि तेरी सारी नेतागिरी निकाल दूंगा। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई भी की और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग कर दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी रिटायर्ड सीओ के बेटे समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

भूड़ क्षेत्र की रहने वाली पूजा सक्सेना ने पुलिस को बताया कि 13 जून की शाम उनके पति सागर सक्सेना उर्फ ऋषि घर के पास दुकान पर दूध लेने गए थे। उसी समय हर्ष शुक्ला नाम का युवक तीन-चार अज्ञात लोगों के साथ वहां आ धमका। हर्ष शुक्ला ने आते ही सागर को पकड़ लिया और उसकी तरफ रिवॉल्वर तान दी। उसने रिवॉल्वर की नाल सागर के मुंह में डालकर कहा, तेरी नेतागिरी अभी यहीं खत्म कर दूंगा। इतना कहकर हर्ष के साथ आए लोगों ने सागर को पीटना शुरू कर दिया। जब सागर ने शोर मचाया तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने किसी तरह सागर को उनके चंगुल से छुड़ाया। लेकिन जाते-जाते हर्ष ने रिवॉल्वर से हवाई फायरिंग कर दी। इससे इलाके में दहशत फैल गई।

### पुलिस में शिकायत करने पर भी दी धमकी

घटना के बाद पूजा सक्सेना ने अपने पति के साथ प्रेमनगर थाने में तहरीर दी। लेकिन पूजा का कहना है कि आरोपी हर्ष शुक्ला पुलिस से बिल्कुल भी नहीं डर रहा। पूजा का आरोप है कि जब हम थाने गए तो हर्ष बोला कि हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मेरे पिता रिटायर्ड सीओ हैं, पूरे पुलिस विभाग में हमारा दबदबा है। उल्टा तुम्हारे ऊपर ही फर्जी केस करवा दूंगा। पूजा का आरोप है कि हर्ष शुक्ला अक्सर उनके मोहल्ले में झगड़ा करता है और लोगों को डराता-धमकाता है। उसे पुलिस का भी कोई खौफ नहीं है। यह भी आरोप लगाया कि हर्ष और अंजू अग्निहोत्री नाम की एक महिला किसी दिन उनके परिवार के साथ कोई अनहोनी कर सकते हैं।

### एसएसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

पूजा ने अपने पति के साथ सीधे एसएसपी से मिलकर मामले की शिकायत की। एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लिया और प्रेमनगर पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए। इसके बाद प्रेमनगर थाने में हर्ष शुक्ला, अंजू अग्निहोत्री और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। इलाके के लोगों का कहना है कि अगर पुलिस जल्द सख्त कार्रवाई नहीं करती तो हर्ष शुक्ला किसी दिन और बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार पुलिस रिटायर्ड सीओ के बेटे के रसूख में न आकर सख्ती से कानून का पालन कराएगी। वहीं पूरे मामले में बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई और पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

## छ: हजार रुपए के लिए युवक को पीट पीट कर मार डाला

**प्रयागराज।** मऊआइमा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसने मजदूरी के 6 हजार रुपए मांग लिए थे। इससे नाराज होकर ठेकेदारों ने उसको लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वो कहने लगा कि मैंने तो अपने हक के रुपए मांगे हैं। इस पर गुस्से में आकर उसे ज्यादा पीटा गया। इस दौरान उसकी तड़प-तड़प कर मौत हो गई। मामला मऊआइमा थाना क्षेत्र का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुझियारी जोगीपुर गांव के राम कैलाश (45) पेंटिंग का काम करता था। परिवार में 3 बेटियां पूनम, सोना और किरण हैं। तीनों की शादी हो चुकी है। उनके 2 बेटे सूरज और सुरजीत हैं। राम कैलाश मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे।

चार महीने पहले गांव के रोहित और मोहित पुत्रगण दौलत बिंद राम कैलाश को नागपुर में पेंटिंग का काम करने के लिए ले गए थे।

# सीएम योगी ने हेलीकॉप्टर से किया कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण, अफसरों से पूछा- कैसी है तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रा मार्ग का जायजा लिया। उन्होंने गंगनहर पटरी मार्ग को देखा। साथ ही अफसरों से भी कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर बात की। उनके हवाई निरीक्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ नगीना के गांव हुरनंगला में पहुंचे। यहां पर उन्होंने भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सैनी की दिवंगत माता को श्रद्धांजलि दी। भूरापुर गांव में हेलीपेड बनाया गया था। उक्त कार्यक्रम के साथ-साथ नगीना आते हुए मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा मार्ग का जायजा लिया। सीएम ने नहर पटरी कांवड़ मार्ग का हवाई निरीक्षण किया। बिजनौर पहुंचने पर उन्होंने अफसरों से कांवड़ यात्रा को लेकर की गई तैयारियों पर इनपुट भी लिया। सीएम ने मुजफ्फरनगर, मेरठ से होते हुए मुरादनगर की ओर जाने वाली नहर की पटरी का मुआयना किया। उक्त नहर पटरी को कांवड़ मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। बता दें कि सावन माह की कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है। पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। बिजनौर में बाकायदा ट्रैफिक प्लान बन चुका है। यहां 20 जगहों पर ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। इन प्वाइंट पर यातायात पुलिस के 90 सिपाही तैनात कर दिए गए हैं। नौ जुलाई की शाम से डायवर्जन लागू होने की संभावना है।

## आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक निर्माण के लिए अधिग्रहण रिपोर्ट सरकार को सौंपी गई,

**लखनऊ।** आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज के भव्य स्मारक एवं संग्राहालय के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कोठी मीना बाजार की भूमि के अधिग्रहण के संबंध में विस्तृत प्रशासनिक रिपोर्ट आगरा प्रशासन ने उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को सौंप दी है। इस विषय में उच्च शिक्षा मंत्री एवं आगरा दक्षिण से विधायक योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर इस परियोजना को शीघ्र गति देने का आग्रह किया।मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह स्मारक न केवल इतिहास की अमूल्य धरोहर को संरक्षित करेगा, बल्कि युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं साहस की भावना को भी प्रबल करेगा। उन्होंने कहा कि कोठी मीना बाजार वह ऐतिहासिक स्थल है जहाँ औरंगजेब ने शिवाजी महाराज को बंदी बनाया था, और यहीं से उनके ऐतिहासिक पलायन की घटना ने भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया।

## मत्स्य मंत्री के निर्देश पर जालौन के सहायक निदेशक मत्स्य मुनीश कुमार निलंबित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर जालौन के सहायक निदेशक मत्स्य मुनीश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश मत्स्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष द्वारा जारी किया गया है। निलंबन अवधि में मुनीश कुमार मत्स्य निदेशालय लखनऊ से संबद्ध रहेंगे।मुनीश कुमार पर आरोप है कि उन्होंने माफियाओं को पट्टा स्वीकृत कराने में संलिप्तता दिखाई, मत्स्य पालकों की शिकायतों की अनदेखी की और शासकीय आदेशों के पालन में लापरवाही तथा अनुशासनहीनता बरती। इन गंभीर मामलों को संज्ञान में लेते हुए उनके विरुद्ध यह कार्यवाही की गई है।कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने विभागीय अधिकारियों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं करेंगे और जनहित को नुकसान पहुंचाने वाली प्रवृत्ति अपनाएंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करें, ताकि विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके।सरकार की यह कार्रवाई न सिर्फ एक अनुशासनात्मक संदेश है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि प्रदेश सरकार विभागीय पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर किसी भी प्रकार की शिथिलता को स्वीकार नहीं करेगी।

## छात्रवृत्ति प्रणाली में एकरूपता और पारदर्शिता लाने की पहल, 2 अक्टूबर को विद्यार्थियों के खातों में पहुंचेगी छात्रवृत्ति

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्ति प्रणाली को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और एकरूप बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ स्थित गोमतीनगर के भागीदारी भवन में छात्रवृत्ति सुधार को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि छात्रवृत्ति योजना में चरणबद्ध सुधार किया जाएगा और इसे तीन चरणों में लागू किया जाएगा। इसका प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वंचित, आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को समय से छात्रवृत्ति मिले और कोई पात्र विद्यार्थी लाभ से वंचित न रह जाए।

## मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु मेरठ में हुआ प्रथम चरण का प्रशिक्षण, 15 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों ने लिया भाग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में निर्वाचक नामावली के आगामी पुनरीक्षण को लेकर सोमवार को मेरठ के मण्डलायुक्त कार्यालय स्थित सभागार में प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण की अगुवाई प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने की। कार्यक्रम में एटा, हाथरस, कासगंज, अमरोहा, सम्भल, बागपत, बुलन्दशहर, गौतमबुद्धनगर, हापुड़, मेरठ, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के जिला निर्वाचन अधिकारियों ने भाग लिया।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और शुद्ध बनाए रखने के लिए लगातार नए पात्र मतदाताओं को जोड़ा जाए और मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं को समय से सूची से हटाया जाए। उन्होंने ईआरओ नेट पोर्टल और बीएलओ एप के जरिए होने वाले कार्यों की नियमित समीक्षा और निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया।रिणवा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की नवीनतम गाइडलाइंस के अनुसार बूथ लेवल अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और पोलिंग बूथों का युक्तिसंगत संभाजन किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता हैं तो नए पोलिंग बूथ की स्थापना की जाए, जिससे मतदाताओं को नजदीक में ही मतदान करने की सुविधा मिल सके।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पोलिंग बूथों पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और जिला निर्वाचन अधिकारी राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें करें तथा वेयरहाउस का निरंतर निरीक्षण सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को मतदाता सूची अद्यतन करने, ईआरओ नेट पोर्टल, वोटर सर्विस पोर्टल और वोटर हेल्पलाइन ऐप के तकनीकी एवं व्यावहारिक पक्षों की जानकारी दी गई।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी जानकारी होना जरूरी है, ताकि मतदाता सूची में त्रुटियों की कोई संभावना न रहे और मतदाताओं को मतदान के समय कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 15 जनपदों के बाद लखनऊ और वाराणसी में अगले चरणों के तहत शेष जिलों के निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। अंत में एक मूल्यांकन भी किया जाएगा।

## उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक लखनऊ में सम्पन्न

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष संजय आर. भूसरेडडी की अध्यक्षता में लखनऊ स्थित रेरा मुख्यालय के सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। नोएडा कार्यालय के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में अध्यक्ष ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन समीक्षा की। उन्होंने उन प्रमोटर्स की सूची संबंधित विकास प्राधिकरणों को भेजने का निर्देश दिया, जिन्होंने अभी तक यू0पी0 रेरा वेब पोर्टल पर भूमि व नक्शे से संबंधित अभिलेख अपलोड नहीं किए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या उनके नक्शे विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत हैं या नहीं। संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

## सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पांच लोग गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** गोसाईगंज पुलिस ने सोमवार को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बरकत नगर पेट्रोल पंप के पास बाउंड्री वॉल के बगल में पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे पांच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, मौके पर अभियुक्तों के कब्जे से कुल 24,620/- रुपए एवं 52 अदद ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार को मुखबिर द्वारा मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने बरकत नगर में स्थित पेट्रोल पंप के पास बाउंड्री वॉल के किनारे पेड़ के नीचे से जुआ खेल रहे पांच लोगों को पकड़ लिया।जिनके पास से 24हजार620/- रुपए एवं 52 ताश के पत्ते बरामद हुए।पकड़े गए आरोपितों ने पूंछतांछ में अपने नाम राम सुमेर लोधी निवासी कपेरा मदारपुर थाना नगराम आदर्श गौतम निवासी सीताराम पुरवा थाना सुशांत गोल्फ सिटी प्रताप रावत निवासी खुजौली थाना मोहनलालगंज जीत बहादुर कोरी निवासी हुलास खेड़ा थाना मोहनलालगंज व फूल चंद्र रावत निवासी कटरा बक्कास थाना सुशांत गोल्फ सिटी बताया जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

## 15 जुलाई को प्रदेशभर में भव्य रूप से मनाया जाएगा विश्व युवा कौशल दिवस, युवाओं को मिलेगा रोजगार और सम्मान का अवसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में आगामी 15 जुलाई को पूरे प्रदेश में विश्व युवा कौशल दिवस उत्साहपूर्वक और भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जनपद स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण से जोड़ने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारियाँ प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के नेतृत्व में की जा रही हैं। 16 जुलाई को इसका समापन समारोह आयोजित होगा।सोमवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में मिशन मुख्यालय में विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की तैयारियों को लेकर रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कार्यक्रम की कार्ययोजना, जिलों को सौंपे गए दायित्व और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। मिशन निदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के एमआईएस मैनेजर को आयोजन की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।विश्व युवा कौशल दिवस की श्रृंखला में 12, 13 अथवा 14 जुलाई को रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इन मेलों में स्थानीय उद्योगों और कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को ऑन-द-स्पॉट चयन और नियुक्ति का अवसर प्रदान किया जाएगा। रोजगार मेला आयोजन के लिए जिलाधिकारियों द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए जा रहे हैं। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, आईटीआई एवं अन्य राज्य स्तरीय योजनाओं से प्रशिक्षित युवाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है।15 जुलाई को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में जनपद स्तरीय सफल प्रशिक्षुओं को मंच पर सम्मानित किया जाएगा और उन्हें अपनी सफलता की प्रेरक कहानियां साझा करने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों की प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रेरक संवाद सत्र और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

## विकसित भारत 2047' के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका पर लखनऊ में अंतरिक्ष तकनीक पर राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** योजना भवन में सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भारत सरकार का अंतरिक्ष विभाग तथा उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन्स सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने में अंतरिक्ष तकनीक की भूमिका विषयक इस आयोजन में इसरो के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने की।कार्यशाला में अंतरिक्ष तकनीक और रिमोट सेंसिंग के उपयोग से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसुविधा के विस्तार और वैज्ञानिक डेटा के बेहतर उपयोग पर मंथन किया गया। इसरो अध्यक्ष डॉ. नारायणन ने अपने वक्तव्य में भारत की अंतरिक्ष विज्ञान में तेजी से हो रही प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश शीघ्र ही अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है और अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी का प्रयोग केवल मिशनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य, अपराध नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में आमजन के जीवन को सरल बनाने में भी अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है।मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रदेश की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन्स सेंटर की स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी और तब से यह नीति-निर्धारण और योजनाओं की दक्षता बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक विभाग किसी न किसी रूप में उपग्रह तकनीक का प्रयोग कर रहा है और यह तकनीक अब निर्णय प्रक्रिया में तेजी, सटीकता और पारदर्शिता ला रही है।कार्यक्रम में इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक योजनाओं की गति बढ़ाने और जीवन स्तर सुधारने का एक सशक्त माध्यम है। बाढ़ नियंत्रण, मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने, ओलावृष्टि की चेतावनी और हीट वेव प्रबंधन जैसे अनेक क्षेत्रों में इसका उपयोग किया जा सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव पंधारी यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल नोडल एजेंसी है, बल्कि उत्तरी भारत का एकमात्र ऐसा केंद्र है जो कुशल मानव संसाधन के साथ अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध करा रहा है।इस अवसर पर इसरो और राज्य के रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का विमोचन किया गया, जिसमें प्रदेश में अंतरिक्ष तकनीक के अनुप्रयोग और आवश्यकताओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया है। साथ ही 'Indian Space Odyssey' नामक वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन हुआ, जिसमें इसरो द्वारा किए गए प्रमुख अंतरिक्ष कार्यों को दिखाया गया।कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में राज्य के विभिन्न विभागों ने स्पेस टेक्नोलॉजी के विविध प्रयोगों पर अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। गृह विभाग ने अपराध निगरानी व आपदा नियंत्रण में सैटेलाइट आधारित निगरानी को अहम बताया, जबकि राजस्व विभाग ने भू-राजस्व मानचित्रों के डिजिटलीकरण की दिशा में तकनीक के योगदान पर प्रकाश डाला। वन, पर्यावरण व खनन विभागों ने वन संसाधनों की सुरक्षा, अवैध कटान व खनन की निगरानी में रिमोट सेंसिंग के लाभ बताए। नगर विकास और आवास विभाग ने शहरी नियोजन, जनसंख्या घनत्व विश्लेषण व बुनियादी ढांचे की योजना में उपग्रह डाटा के उपयोग की चर्चा की।कृषि विभाग ने फसल उपज का पूर्वानुमान, कीट एवं रोगों की पहचान और मिट्टी की गुणवत्ता के आकलन जैसे कार्यों में तकनीक की उपयोगिता बताई, वहीं भूजल विभाग ने जल पुनर्भरण क्षेत्रों की पहचान में सैटेलाइट डाटा की सटीकता पर जानकारी दी।कार्यशाला ने यह स्पष्ट कर दिया कि उत्तर प्रदेश 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में स्पेस टेक्नोलॉजी को नीति, योजना और विकास का अभिन्न अंग बनाकर एक निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है।

## श्वसन चिकित्सा में अद्वितीय योगदान के लिए डॉ. सूर्यकान्त को अन्तरराष्ट्रीय सम्मान

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को हाल ही में गाजियाबाद में आयोजित तीसरी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस (बीडब्ल्यूसी) और क्रिटिकल केयर पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (डब्ल्यू4सी) में नेशनल मेडिकल कमीशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ. बी.एन. गंगाधर द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. सूर्यकान्त को यह प्रतिष्ठित सम्मान श्वसन चिकित्सा में उपचारात्मक सेवाओं, उच्चस्तरीय शोध और संस्थागत नेतृत्व में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए प्रदान किया गया।

डॉ. सूर्यकान्त को विश्व के सर्वोच्च 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की श्रेणी में भी स्थान प्राप्त हुआ है। वे रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में विगत 26 वर्षों से चिकित्सा शिक्षक, 20 वर्षों से प्रोफेसर एवं 14 वर्षों से विभागाध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे चिकित्सा विज्ञान से संबंधित विषयों पर 22 पुस्तकें लिख चुके हैं तथा एलर्जी, अस्थमा, टीबी एवं कैंसर के क्षेत्र में उनके लगभग 1000 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके नाम दो अंतरराष्ट्रीय पेटेंट भी दर्ज हैं ।

डॉ. सूर्यकान्त की विशेषज्ञता उनके द्वारा निभाए गए अनेक प्रतिष्ठित पदों से परिलक्षित होती है। वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना के इन्स्टीट्यूट एवं गवर्निंग बॉडी एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जोनल टास्क फोर्स (नॉर्थ जोन) के अध्यक्ष हैं, जिसके अंतर्गत छह राज्य और तीन केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। वे इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य भी हैं तथा 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स के सलाहकार/संपादकीय बोर्ड के सदस्य भी हैं।

डॉ. सूर्यकान्त पूर्व में इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी, इंडियन चेस्ट सोसाइटी, नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन्स (एनसीसीपी) और इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के मेडिकल साइंस प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। साथ ही, वे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), लखनऊ के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश आईएमए एकेडमी ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के चेयरमैन और इंडियन स्टडी अगेंस्ट स्मोकिंग के महासचिव भी रह चुके हैं।

अब तक वे लगभग 200 एमडी/पीएचडी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं, 50 से अधिक शोध परियोजनाओं का निर्देशन कर चुके हैं, और उन्हें 22 फैलोशिप एवं 20 ओरशन अवार्ड प्राप्त हुए हैं। डॉ० सूर्यकान्त को अब तक अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा कुल 216 पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ० सूर्यकान्त पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से अपने लेखों, वार्ताओं तथा टीवी, रेडियो एवं इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंट/सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों में टीबी, अस्थमा, एलर्जी, लंग कैंसर एवं श्वसन संबंधी अन्य बीमारियों से बचाव और उपचार के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं।

## उत्तर प्रदेश में 'संभव 5 .0' अभियान का भव्य शुभारंभ, कुपोषण उन्मूलन की दिशा में सशक्त पहल

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गंभीर कुपोषण के उन्मूलन हेतु संचालित राज्यव्यापी 'संभव अभियान' के पांचवें संस्करण संभव 5.0 का भव्य शुभारंभ राजधानी लखनऊ के रेनेसॉ होटल में हुआ। महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश में मातृ एवं बाल पोषण को लेकर जन-नीति में निर्णायक बदलाव के संकल्प को दोहराया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव लीना जौहरी, सचिव बी. चंद्रकला, यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के सीएफओ ज़कारी एडम, परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. दिनेश कुमार और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशक सरनीत कौर ब्रोका सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों को स्मृति स्वरूप पौधे भेंट किए गए, जो स्वस्थ एवं हरित भविष्य की प्रतीकात्मक प्रस्तुति थी।संभव अभियान की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी और अब तक इसके चार संस्करणों के माध्यम से समयबद्ध सुधार, नवाचार आधारित हस्तक्षेप और विभागीय समन्वय के जरिए बाल पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। संभव 5.0 के अंतर्गत जुलाई से सितंबर 2025 तक राज्यभर में व्यापक गतिविधियां चलाई जाएंगी। इस चरणबद्ध प्रयास में जुलाई को मातृ पोषण, अगस्त को शिशु पोषण (0–6 माह), और सितंबर को ऊपरी आहार एवं पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा।संभव 4.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के पांच जिलों और चुनिंदा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ल ने सभी सहयोगी विभागों, यूनिसेफ एवं विकास साझेदारों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि "कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे—यह केवल लक्ष्य नहीं, हम सबका साझा संकल्प है।" उन्होंने पूरक आहार व वृद्धि निगरानी पर आधारित शैक्षणिक वीडियो और 12-पृष्ठीय पुस्तिका के निर्माण हेतु सहयोगी संस्थाओं का भी धन्यवाद किया।कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने अपने संबोधन में कुपोषण के पीढ़ीगत चक्र को तोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत निगरानी, रीयल टाइम डाटा कैप्चरिंग और मजबूत विभागीय समन्वय से ही इस अभियान को सतत सफलता मिल सकती है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने अनुभव समाज से साझा करें, जिससे यह अभियान सामूहिक जनजागरूकता का माध्यम बन सके।कार्यक्रम के समापन पर यूनिसेफ एवं अन्य संस्थाओं द्वारा विकसित शैक्षणिक सामग्री का लोकार्पण किया गया।

## बिहार की कानून व्यवस्था और 243 सीटों को लेकर चिराग पासवान के बोल– सिर्फ बयान या भविष्य की राजनीति का संकेत ?

बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर विपक्षी गठबंधन में शामिल तमाम राजनीतिक दल राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार की जनता को लालू यादव-राबड़ी देवी के जंगलराज की लगातार याद दिला रहे जेडीयू और भाजपा के नेता सरकार के पक्ष में तर्क दे रहे हैं। लेकिन एनडीए गठबंधन में शामिल और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान ने एनडीए गठबंधन में खासकर जेडीयू नेताओं में खलबली मचा दी है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की राजधानी पटना के पॉश इलाके में एक बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या को लेकर अपनी ही गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने बहुत ही तल्ख अंदाज में इस हत्या को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह हत्याकांड इस बात का संकेत है कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। चिराग की पार्टी ने उनके बयान के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। चिराग ने नीतीश सरकार पर सीधा-सीधा हमला बोलते हुए कहा, 'जिस तरह से बिहार में अपराध बढ़ा है और कानून-व्यवस्था जिस तरह से ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। मैं केवल एक व्यापारी की हत्या को लेकर नहीं कह रहा हूं हालांकि यह भी चिंता का विषय है क्योंकि ऐसी जगह पर यह घटना घटी है जो पटना का एक पॉश इलाका है। 100 मीटर की दूरी पर जहां थाना है और अधिकारियों के घर हैं। यदि यहां पर ऐसी घटना घट रही है तो सोचिए गांव-देहात में क्या हो रहा होगा? अगर बिहार में एक भी हत्या होती है तो सरकार और प्रशासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहां चूक हुई है, इसे हमें सुधारना होगा और कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके हमें एक उदाहरण देना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे।' चिराग पासवान का यह बयान विपक्षी नेताओं के बयानों को और ज्यादा मजबूती देता हुआ नजर आता है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की बात करने वाले नीतीश कुमार बिहार की कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे हैं,अपराधी बेखौफ हो चुके हैं और सुशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि आखिर केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान के मायने क्या है ? वह चाहते क्या हैं ? यह कोई पहला मौका नहीं है जब चिराग पासवान ने अपने बयान से बिहार की नीतीश सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा की हो। इससे पहले भी वो लगातार कई मौकों पर बिहार की कानून व्यवस्था को ध्वस्त बता चुके हैं। बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर भी चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर रखी है। एक तरफ वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास पर सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में शामिल होते हैं, लगातार एनडीए गठबंधन को चुनाव में विजयी बनाने की बात करते हैं, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं होने की बात कहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं। चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इतना ही नहीं वह बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए बिहार जाने की बात कर रहे हैं। छपरा में एक बार फिर उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की बात को दोहराते हुए कहा कि, 'आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।' इससे पहले उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती एक वीडियो जारी कर चिराग पासवान के शाहाबाद क्षेत्र से चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके हैं। अरुण भारती को चिराग पासवान ने पार्टी का चीफ व्हिप भी बनाया हुआ है और वह लगातार यह भी बयान दे रहे हैं कि बिहार चिराग पासवान को बुला रहा है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि अगर बिहार एनडीए गठबंधन में शामिल चिराग पासवान को बुला रहा है ( बकौल लोजपा नेता) तो फिर नीतीश कुमार कहां जाएंगे ? और अगर बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है (जैसा कि चिराग पासवान ने स्वयं कई बार कहा है) तो क्या वह केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री का पद और सांसदी सिर्फ एक विधायक बनने के लिए छोड़ेंगे ? उनकी पार्टी को एनडीए गठबंधन में किसी भी सूरत में 30 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली है, यह जानने के बावजूद एक तरफ जहां चिराग पासवान बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा कर रहे हैं।

# ठाकरे भाइयों ने अपने 'मिलन' के लिए महाराष्ट्र में समाज को भाषा के नाम पर बाँट दिया

**नीरज कुमार दुबे**

**दोनों चचेरे भाइयों ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है**

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से 'थोपे जाने' के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल राज्य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक-दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है।

वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे-धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही 'मराठी मानुष' की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है।

आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। आज की रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषण के जरिये वैसे तो कई बड़ी बातें कहीं लेकिन उन्हें हिम्मत करके कुछ जायज सवालों के जवाब भी देने चाहिए।

1. पहला सवाल यह है कि जिस हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा हासिल है उसके खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जा रही है?

2. दूसरा सवाल यह है कि हिंदी सिनेमा उद्योग ने जिस मुम्बई को विशिष्ट पहचान दिलाई और जो हिंदी सिनेमा उद्योग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह है वहां हिंदी का विरोध करना क्या दोहरा रवैया नहीं है? फिल्मों को हिंदी बेल्ट से कमाई चाहिए लेकिन उसी हिंदी बेल्ट का व्यक्ति यदि महाराष्ट्र में हिंदी बोले तो क्या उसकी बेल्ट से पिटाई की जायेगी?

3. तीसरा सवाल यह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर तमाम अन्य मराठा वीरों ने तो अपने साम्राज्य का उत्तर और दक्षिण तक विस्तार किया था लेकिन उद्धव और राज मराठियों को संकुचित दायरे में ही क्यों रखना चाहते हैं?

हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है।

जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची-बसी है। हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है।

देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है। यह 'विविधता में एकता' के भारतीय दर्शन को व्यवहार में उतारती है। उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा की आवाज़ है, यह उस किसान की बोली है, उस सैनिक का आदेश है, उस कवि की कल्पना है और उस आम आदमी का माध्यम है जो पूरे देश से जुड़ना चाहता है। इसे समझना, अपनाना और सम्मान देना ही असली भारतीयता है। आज जो लोग उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर नृत्य कर रहे हैं उन्हें भी यह बात समझनी चाहिए कि चचेरे भाई तो आपस में जुड़ गये मगर आपको भाषा के नाम पर भड़का कर अपने पड़ोसियों और अपने सहयोगियों से अलग कर दिया।

बहरहाल, जहां तक उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की बात है तो आपको बता दें कि दोनों नेताओं का एक साथ आना महज भाषाई चिंता नहीं है, बल्कि इसमें एक गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है। उद्धव ठाकरे बीजेपी से अलग होने और एकनाथ शिंदे की ओर से शिवसेना को विभाजित कर देने के बाद नए सिरे से अपनी 'असली शिवसेना' की छवि को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं राज ठाकरे को भी लंबे समय से राजनीतिक पुनर्जीवन की तलाश है और मराठी अस्मिता का मुद्दा उनके लिए सबसे सहज विकल्प है। देखा जाये तो दोनों के लिए ₹हिंदी विरोध₹ एक ऐसा मंच है, जहां वे एक बार फिर मराठी मतदाता के भावनात्मक जुड़ाव को सक्रिय करने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर मुंबई महानगर पालिका (BMC) चुनावों को ध्यान में रखते हुए।

## अजब-गजब

# बेटे के दोस्त से इश्क कर बैठी 50 साल की महिला, हुई प्रेग्नेंट और कर ली शादी !

कहते हैं कि प्यार अंधा होता है, लेकिन इतना भी क्या अंधा कि कोई अपने बेटे के दोस्त से ही बेपनाह इश्क कर बैठे। पड़ोसी मुल्क चीन से एक ऐसी ही 'अजब प्रेम की गजब कहानी' सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। यहां एक 50 वर्षीय महिला को अपने बेटे के रूसी दोस्त से प्यार हो गया। इतना ही नहीं, महिला प्रेग्नेंट भी हो गई, और दोनों ने शादी भी रचा ली है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीन के गुआंगझोउ की रहने वालीं 50 वर्षीय बिजनेसवुमन सिस्टर शिन डॉयिन (चीनी टिकटॉक) पर अपने रूसी पति डेफू के साथ डेली लाइफ की तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती हैं, जो कभी 30 साल की उम्र में तलाकशुदा थीं। शिन ने अकेले ही अपने बेटे और बेटी की परवरिश की। आपको जानकर हैरानी होगी कि शिन का पति और कोई नहीं, बल्कि उनके ही बेटे का दोस्त है। अब आइए जानते हैं कि कैसे हुई थी इनकी मुलाकात, और दोनों कब एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए।

बात छह साल पहले की है, जब चाइनीज न्यू ईयर के मौके पर शिन के बेटे कांईकांई ने अपने तीन विदेशी दोस्तों को डिनर पर बुलाया, जिनमें डेफू भी एक था। यह रूसी छात्र फर्राटेदार चीनी बोलता था, और शिन के बेटे से कुछ साल सीनियर था। डेफू को शिन के हाथ का बना खाना इतना पसंद आया कि एक हफ्ते तक उनके ही घर में रुका रहा। ये भी देखें: Viral Video: तूफान में मछली पकड़ते शख्स पर दो बार गिरी बिजली, फिर भी बाल-बाल बचा!

शिन ने बताया कि तब वह और भी जवां और आकर्षक थीं। घर से जाने के बाद भी डेफू उनके संपर्क में रहा, और सालों गिफ्ट्स और सरप्राइज भेजता रहा। उन्होंने कहा, एक दिन उसने मुझे अचानक प्रपोज कर दिया। यह जानकर मैं दंग रह गई। हालांकि, दोनों की उम्र में 20 साल का फासला और डेफू का लंबा कद शिन को उसके करीब आने से रोकते रहे। ये भी देखें: बिरयानी के साथ महिला ने किया ऐसा प्रयोग, लोग बोले- ये तो अत्याचार है! लेकिन कहते हैं न इश्क में डूबे इंसानों को कौन रोक पाया है। मजे की बात तो यह है कि बेटे के कहने पर ही शिन ने डेफू के प्यार को स्वीकार किया। दोनों ने शादी भी रचा ली है, और अब पूरे चीन की यात्रा पर हैं, जहां वे खूब रोमांटिक पल बिता रहे हैं। लेकिन इससे भी बड़ा धमाका तब हुआ, जब 8 जून को 50 वर्षीय इस महिला ने अपने फॉलोवर्स को खुद के प्रेग्नेंट होने की खबर बताकर चौंका दिया। महिला ने एक वीडियो में कहा कि ढलती उम्र में प्रेग्नेंसी में कुछ जोखिम होते हैं, लेकिन डेफू का साथ होने के कारण यह डर भी खत्म हो गया है। शिन और डेफू की यह अनोखी प्रेम कहानी चाइनीज सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर बहस का मुद्दा बन गई है। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर ये कैसा रिश्ता है।

## ब्लॉग

# सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

**उमेश चतुर्वेदी**

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।'

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं।

संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ।

संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, "राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए।" अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, "इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।" नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है।

केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से बिखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखराव को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई।

कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी। बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ जरूर दिया है, लेकिन कांग्रेस की तरह आक्रामक मुद्दा में नहीं है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी और संघ आपातकाल के लिए लगातार कांग्रेस से माफी की मांग भी कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव भी आपातकाल के पीड़ित हैं और उन दिनों वे बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ही उन्होंने छपरा से लोकसभा का चुनाव जीता था। ऐसे में उनके लिए आपातकाल के मुद्दे पर देर तक कांग्रेस का साथ देना आसान नहीं होगा। लिहाजा उनकी कोशिश होगी कि इस मुद्दे को कांग्रेस उठाए और पीछे से उसका साथ वे देते रहें। इस रणनीति के जरिए उनकी कोशिश है कि बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन से सत्ता छीन लें। लेकिन संघ इस मांग से उस तरह पीछे हटता नहीं दिख रहा, जिस तरह 2015 के चुनावों के दौरान आरक्षण पर आए मोहन भागवत के बयान से उपजे विवाद के चलते पीछे हटता दिखा।

कांग्रेस ने अब तक आपातकाल को लेकर अपनी गलती नहीं मानी है। संघ की मांग के चलते यह मुद्दा उछल रहा है। जैसे-जैसे इस मुद्दे की तासीर बढ़ेगी, वैसे-वैसे कांग्रेस के लिए अपना बचाव कर पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि वह कैसे साबित कर पाएगी कि आपातकाल सही था? अगर वह आपातकाल को सही नहीं ठहरा पाएगी तो वह किस तरह साबित करेगी कि प्रस्तावना में किया गया बदलाव सही था। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यही है। चूंकि संघ के पास सीधे तौर पर कोई वैधानिक ताकत नहीं है। लेकिन विमर्श के बहाने वह इन शब्दों के औचित्य के साथ ही कांग्रेस की तब की करतूत की याद को जीवंत बनाए रखना चाहता है। इसके जरिए निश्चित तौर पर एक ऐसा लोकमानस बनेगा, जो इन शब्दों का विरोधी होगा।

# 16 करोड़ की प्रॉपर्टी, 18 लोगों का गैंग, अवैध धर्मांतरण मामले में अरेस्ट छांगुर के खाड़ी देशों से जुड़े तार

आर्यावर्त संवाददाता

**बलरामपुर।** उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और अवैध धर्मांतरण के मामले में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के नेतृत्व वाले 18 सदस्यीय गैंग का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) की जांच में सामने आया है कि छांगुर ने न केवल तहसील और न्यायालयों में गहरी पैठ बनाई थी, बल्कि पुणे में 16 करोड़ रुपये की संपत्ति का सौदा भी किया, जिसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के लिपिक की पत्नी को हिस्सेदार बनाया गया। इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है, जिसमें अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि 14 अन्य की तलाश जारी है।

एटीएस की जांच में पता चला कि छांगुर ने उतरौला तहसील के कर्मचारियों से सांठगांठ कर एक तालाब को अपने नाम करवा लिया था।

इसके अलावा, उसने पुणे के मावल तहसील के कुनेनामा गांव में 16 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी और इसका व्यावसायिक एग्रीमेंट तैयार किया। इस सौदे में बलरामपुर के बड़ा घुसाह गांव की संगीता देवी को हिस्सेदार बनाया गया, जो सीजेएम कोर्ट के लिपिक राजेश उपाध्याय की पत्नी हैं।

एटीएस की रिपोर्ट के अनुसार, संगीता को जमीन के कारोबार से होने वाले मुनाफे में हिस्सा देने का वादा किया गया था। छांगुर ने न्यायालय में अपनी पहुंच का दुरुपयोग करते हुए उन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जो उसके धर्मांतरण के एजेंडे का विरोध करते थे। एटीएस ने खुलासा किया कि संचित और मालती देवी, जो अनुसूचित वर्ग से हैं, ने इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद छांगुर के गैंग ने कोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

### 18 सदस्यीय गैंग, 14 की तलाश

एटीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, छांगुर का गैंग 18 लोगों का था, जिसमें गोंडा, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, औरैया और पुणे जैसे जिलों के लोग शामिल थे। यह गैंग संगठित तरीके से धर्मांतरण का रैकेट चला रहा था और देश की एकता व अखंडता को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहा था। शनिवार को छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन की गिरफ्तारी के बाद गैंग के बाकी 14 सदस्य भूमिगत हो गए हैं। एटीएस इनकी तलाश में छापेमारी कर रही है और जल्द ही इन्हें गिरफ्तार करने का दावा कर रही।

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मूल रूप से गैड़ास बुजुर्ग के रेहरा माफी गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह उतरौला के मधपुर में आलीशान कोठी में रह रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोग दहशत में हैं

उतरौला के प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि छांगुर और नीतू की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, "पुलिस हर स्तर पर सतर्क है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को बख्शा नहीं जाएगा। एटीएस की छानबीन में यह भी पता चला कि छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों ने पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक बार इस्लामिक देशों की यात्रा की

### एटीएस की कार्रवाई से मंसूबों पर पानी

एटीएस की त्वरित कार्रवाई ने छांगुर के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। उसका गैंग देश की एकता और अखंडता को प्रभावित करने के लिए लगातार विस्तार कर रहा था, लेकिन अब इस संगठित गिरोह का भंडाफोड़ हो चुका है। जांच एजेंसी का कहना है कि जल्द ही बाकी बचे सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## धर्मांतरण कांड में घिरे छांगुर पीर की संपत्तियों पर सरकार की कड़ी नजर, ब्योरा खंगालने में जुटा प्रशासन

आर्यावर्त संवाददाता

**बलरामपुर।** उतरौला के बहुचर्चित धर्मांतरण कांड में गिरफ्तार स्वयंभू पीर छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रदेश की योगी सरकार ने अब आरोपी की संपत्तियों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। शासन स्तर से राजस्व विभाग को निर्देश मिला है कि छांगुर बाबा की सभी चल-अचल संपत्तियों का विवरण तत्काल उपलब्ध कराया जाए — चाहे वह नगर क्षेत्र में हो या देहात में, उनके नाम से हो या रिश्तेदारों के नाम पर पंजीकृत हो। सूत्रों के मुताबिक, उतरौला तहसील प्रशासन को शासन से स्पष्ट निर्देश मिला है कि आरोपी की पूरी संपत्ति की जानकारी इकट्ठा की जाए ताकि वैधानिक रूप से जब्तीकरण अथवा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा सके। राजस्व विभाग के अधिकारियों की टीमें अब ग्राम स्तरीय अभिलेख, नगर निकाय संपत्ति रजिस्टर और भूलेख प्रणाली से जुड़ी जानकारी खंगाल रही हैं।

बताया जा रहा है कि छांगुर पीर ने पिछले कुछ वर्षों में उतरौला कस्बे और आसपास के इलाकों में भारी मात्रा में संपत्ति अर्जित की है, जिनमें से कई संदेहास्पद तरीके से खरीदी गई हैं। एटीएस की जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि विदेशों से अवैध फंडिंग के जरिए इस नेटवर्क को संचालित किया जा रहा था। इसी कड़ी में इन संपत्तियों को काले धन का ठिकाना भी माना जा रहा है। जनपद प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ₹शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि धर्मांतरण जैसे राष्ट्रविरोधी अपराध में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। यदि संपत्तियों की खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी पाई गई।

## टनकपुर हाईवे के किनारे बसाई जा रही कॉलोनी का विवाद गरमाया, मंदिर का रास्ता बंद करने के विरोध में हाईवे जाम

आर्यावर्त संवाददाता

**पीलीभीत।** शहर में टनकपुर हाईवे किनारे विकसित की जा रही एटू जेड डायमंड कालोनी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। अब नया मामला प्राचीन बाबा नागेश्वरधाम धाम मंदिर का रास्ता बंद करने का सामने आया है। इस मामले को लेकर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ हाईवे जाम कर दिया। इसके चलते वहां लगभग दो घंटे तक हंगामा होता रहा। बाद में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह प्रदर्शनकारियों को शांत किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कालोनी विकसित कर रहे एटू जेड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के स्वामी ने प्राचीन बाबा नागेश्वरधाम मंदिर के मुख्य मार्ग को ट्रांसफार्मर रखकर बंद कर दिया है। जिस कारण मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सोची समझी साजिश के तहत मंदिर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

इस मामले में कई बार प्रशासन से शिकायत भी की गई, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया है। सोमवार को पूर्वान्ह लगभग साढ़े ग्यारह बजे हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष यशवंत सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता कालोनी के मुख्य द्वार के सामने हाईवे पर एकत्रित होना शुरू हुए।

इस बीच गांव दियूनी केसरपुर के तमाम ग्रामीण भी वहां पहुंच गए। जिसके बाद नारेबाजी करते हुए हाईवे जाम कर दिया गया। इस दौरान दोपहिया वाहनों को भी नहीं निकलने दिया। मामले की सूचना मिलने पर नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह तथा सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया। लेकिन वे लोग मंदिर का मुख्य मार्ग तत्काल खोलने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन कालोनाइजर को ही संरक्षण देन में लगा है। इधर, हाईवे जाम होने के कारण मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी लंबी कतारे लग गईं। अधिकारियों ने मंदिर मार्ग से ट्रांसफार्मर हटवाने का आश्वासन देकर जाम खुलवा दिया।

### पहले मजार का प्रकरण रहा सुर्खियों में

उक्त कालोनी के बीच स्थित मजार का मामला सुर्खियों में रहा था। उक्त मजार को रातोंरात चारों तरफ से कवर कर उसे स्टोर का रूप देने का प्रयास किया गया था। मामले की भनक पाकर विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वहां हंगामा किया था। साथ ही मामले की शिकायत जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक की गई। इस बीच कालोनाइजर ने उक्त मजार को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया था। जिलाधिकारी की ओर से मामले की जांच अपर जिलाधिकारी न्यायिक को सौंपी गई थी।

### होटल के पीछे मिली अज्ञात युवती की लाष, हड़कम्प

**बाराबंकी।** कोतवाली नगर क्षेत्र के बड़ेल फतहाबाद में एक निजी होटल के पीछे की तरफ एक अज्ञात युवती उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष का शव सोमवार को संदिग्ध अवस्था में मिलने के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची बड़ेल चौकी की पुलिस ने मिले शव की शिनाख्त की तमाम कोशिशे की लेकिन कोई भी पहचान नहीं कर सका जिसके बाद अगले 72 घंटो के लिए बरामद शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम गृह में सुरक्षित रखवाया गया है,चौकी इंचार्ज रवीन्द्र कुमार सिंह ने बताया की बरामद शव की पहचान नहीं हो पाई है शव अगले 72 घंटो के लिए पोस्टमार्टम गृह में रखवाया गया शरीर में कोई चोट अथवा कोई ऐसी संदेहास्पद नहीं है इसलिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी।दिन भर उस जगह पर लोगों का आवागमन बना रहता है और अचानक वहां पर अज्ञात युवती का शव मिला संदेह पैदा करता है।

## इंजीनियर बहू ने सास को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, ससुर बोले- पिता दरोगा हैं, इसलिए कार्रवाई नहीं हुई

आर्यावर्त संवाददाता

**गाजियाबाद।** उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बहू ने अपनी सास को बड़ी ही बेरहमी से पीटा। ये घटना गाजियाबाद के गोविंदपुरम थाना इलाके की है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सास की बेरहमी से पिटाई करने वाली आरोपी बहू का नाम आकांक्षा है।

पीड़ित सास ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पहले भी अपनी बहू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन बहू के पिता दिल्ली में दारोगा हैं, इसलिए पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी बहू अकांक्षा दिल्ली की रहने वाली है। उसकी शादी गाजियाबाद के गोविंदपुरम थाना इलाके में हुई है। बहू द्वारा सास की पिटाई की ये घटना

एक जुलाई की बताई जा रही है।

### सास को दौड़ा-दौड़ाकर मारा

जानकारी के अनुसार, एक जुलाई को आरोपी बहू आकांक्षा अपनी मां के साथ ससुराल पहुंची और अपनी सास सुदेश देवी की पिटाई की। इस घटना का जो सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है, उसमें आरोपी बहू और उसकी मां को सास को दौड़ा-दौड़ाकर मारते देखा जा सकता है। सास खुद को बचाने का प्रयास करते भी देखी जा सकती है, लेकिन सास पर बहू और उसकी मां के हमले लगातार जारी रहे।

### स्थानीय पुलिस ने मामले को किया अनदेखा

पीड़ित सास ने आरोप लगाया है कि इस घटना के बाद वो कई दिन थाने का चक्कर लगती रहीं, लेकिन कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। आरोपी बहू के पिता के दिल्ली पुलिस में दारोगा होने की बात कही जा रही है। इस वजह से स्थानीय पुलिस पर दबाव बना और उसने मामले को अनदेखा किया। हालांकि घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इस घटना की चर्चा होने लगी। इसके बाद पुलिस एक्शन में आई। अब गोविंदपुरम थाने में पुलिस ने आकांक्षा और उसकी मां के खिलाफ खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

## फंदे पर लटकी मिली छात्रा की लाश, हथेली पर था सैड वाला इमोजी, लिखा था- आई मिस यू गुलशन

आर्यावर्त संवाददाता

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से आत्महत्या का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। कानपुर के गोविंदनगर थाना इलाके में एक 12वीं की छात्रा ने फंदा लगाकर अपना जीवन समाप्त कर लिया। उसकी मां उसे खाना खाने के लिए बुलाने गई तो उसको फंदे से लटका पाया। अपनी बेटी को लटके देख मां चीख पड़ी। आत्महत्या की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

ये घटना शनिवार की है। खुदकुशी करने वाली 12वीं की छात्रा मिल्कबोर्ड चौकी इलाके में रहने वाले किराना दुकानदार की बेटी थी। मृतक छात्रा 18 साल की थी। पुलिस को छात्रा द्वारा शनिवार रात लगभग 10 बजे आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस

घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को छात्रा का शव बेड पर रखा मिला। परिवार वालों ने बताया कि वो उसे अस्पताल से लेकर लौटे थे।

### पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

परिवार वालों ने मृतका का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया था, लेकिन पुलिस को मामला कुछ संदिग्ध लगा तो उसने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हालांकि उससे पहले पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया। पुलिस शव का पंचनामा कर रही थी कि उसी दौरान पुलिस को मृतका की बाईं हथेली पर रोते हुआ इमोजी बना मिला। साथ ही बाईं हथेली पर गुलशन आई मिस यू... लिखा था।

### परिवार वालों ने बताया सारा सच

इसके बाद पुलिस ने परिवार वालों से इस युवक के बारे में पूछा। फिर मृतका के परिवार वालों ने सारा सच बता दिया। परिवार वालों ने गुलशन द्वारा उनकी बेटी को तीन माह से परेशान करने का आरोप लगाया। शनिवार रात नौ बजे गुलशन अपने साथियों के साथ मृतक युवती के घर के नीचे पहुंचा। फिर छत पर सिंदूर की डिब्बी फेंककर छात्रा को फोन करके शादी का दबाव डाला।

साथ ही धमकी देते हुए कहा कि अगर उसने शादी से इनकार किया तो वो उसके पिता और भाई की जान ले लेगा। फिर युवक चला गया। उसके जाने के बाद छात्रा कमरे में गई। मां उसे खाने के लिए बुलाने गई तो देखा कि बेटी फंदे से लटकी है।

### एसडीएम ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण, दिए निर्देश

**सिरौलीगौसपुर बाराबंकी।** उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कोठारी गौरिया और सूबेदारपुरवा गांवों में हो रही हल्की कटान की स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने बताया कि सरयू नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर है। हालांकि अभी यह खतरे के निशान से नीचे है और नदी का पानी अपनी सीमा में बह रहा है। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता एसके सिंह के अनुसार क्षेत्र में हो रही हल्की कटान को रोकने के लिए अनुरक्षण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बाढ़ राहत केंद्र सनावा में नायब तहसीलदार अन्नू सिंह की अध्यक्षता में बाढ़ चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी दी। नायब तहसीलदार ने बताया कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में लोगों को ऊंचे स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा। प्रशासन ने छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है।

## भतीजे को देखकर आपे से बाहर हुई चाची, चाकू उठाकर कई बार घोंपा... दहला देगा ये हत्याकांड

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भुता थाना क्षेत्र के गांव म्यूड़ी कला में जमीन को लेकर हुए झगड़े ने एक युवक की जान ले ली। इस सनसनीखेज वारदात में चाची ने अपने प्रेमी और पति के साथ मिलकर भतीजे की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला, उसके पति और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला गांव में शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे शुरू हुआ जब जमीन पर दीवार बनाने को लेकर विवाद हुआ।

गांव निवासी चरन सिंह की पत्नी और उनके भतीजे उमाकांत की पत्नी कांति देवी के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर यह मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोपी महिला ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। पत्नी और चाची के बीच बहस हो रही थी तभी उमाकांत वहां आ गया और अपनी पत्नी का पक्ष लेते हुए चाची से बहस करने लगा। तभी गुस्से में आकर चाची ने अपने पास रखे चाकू से उमाकांत पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। उसके पेट और शरीर के कई हिस्सों पर चाकू लगे। इतना ही नहीं वहां मौजूद आरोपी महिला का करीबी और कथित तौर पर प्रेमी गौरव भी पीछे नहीं रहा। उसने भी उमाकांत को चाकू मारे। पत्नी कांति देवी के सामने ही उसका पति लहूलुहान होकर गिर पड़ा। शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और किसी तरह खून से लथपथ उमाकांत को सीएचसी कुंआडांडा पहुंचाया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उमाकांत को मृत घोषित कर दिया।

### दबंगई, अवैध संबंध और बेदखली की कहानी

जांच में सामने आया कि आरोपी महिला गांव में काफी दबंग किस्म की महिला है। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि महिला के गौरव नाम के युवक से अवैध संबंध हैं। यही बात अनीता के परिवार वालों को भी पसंद नहीं थी। ग्रामीणों के मुताबिक चरन सिंह के पिता लीलाधर ने अपनी बहू (आरोपी महिला) के चरित्र पर सवाल उठाते हुए बेटे चरन सिंह और बहू दोनों को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया था। इसके बाद से ही जमीन के बंटवारे और दीवार बनाने को लेकर परिवार में तनाव चल रहा था। इसी विवाद ने धीरे-धीरे इतना तूल पकड़ लिया कि आरोपी महिला ने अपने प्रेमी गौरव और पति चरन सिंह के साथ मिलकर भतीजे उमाकांत को ही मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने हत्या में शामिल महिला, उसके पति चरन सिंह और प्रेमी गौरव को घटना के 10 घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया।

## पुरकाजी में कांवड़ पर थूकने का आरोप, कांवडियों ने जमकर काटा हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

**पुरकाजी (मुजफ्फरनगर)।** पुरकाजी कस्बे में नगर पंचायत के समीप विश्राम करने रूके कांवडिए ने कस्बे के एक युवक पर कांवड़ पर थूककर खंडित करने का आरोप लगाकर हंगामा किया। कांवड़ियों ने आरोपित युवक के घर में घुसने का प्रयास किया, मगर पुलिस ने रोक लिया। कांवड़ियों ने आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस व जिम्मेदार लोगों ने घंटों बाद समझाकर शांत किया।

गाजियाबाद में मोदीनगर के गांव रोरी निवासी अंशुल शर्मा पुत्र नरेंद्र शर्मा हरिद्वार से 101 लीटर गंगाजल लेकर अपनी बहन मुस्कान 31 लीटर गंगाजल व साथी मनीष 31 लीटर गंगाजल लेकर हरिद्वार से 25 जून को पैदल आ रहे थे। अंशुल शर्मा ने बताया कि सोमवार की तड़के तीन बजे वह पुरकाजी के नगर पंचायत के सामने आकर विश्राम को रूके थे।

कांवड़ हाईवे पर रख दी थी। सुबह छह बजे अपनी बहन मुस्कान को छोड़कर निकट ही शौच के लिए चले गए। तभी बहन ने फोन पर बताया कि एक युवक ने उसकी कांवड़ पर थूक दिया है। जिससे कावड़ खंडित हो गई है।

आरोपित युवक फरार हो गया है। आरोपित विशेष समुदाय का बताया गया। घटना की जानकारी पर मौके पर कांवडियों ने हंगामा शुरु कर दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस व जिम्मेदार लोगों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन कावड़िया पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं थे। उत्तेजित कावड़ियों ने आरोपित युवक के घर में घुसने का प्रयास किया, मगर पुलिस ने उन्हें रोक लिया। घंटो तक कांवड़िए कांवड़ रखकर हंगामा करते रहे। उनकी मांग थी कि आरोपित को गिरफ्तार किया जाए। आरोपित विशेष समुदाय का बताया गया है। घंटो बाद पुलिस ने जिम्मेदार लोगो की मदद से हरिद्वार से गंगाजल मंगवाकर देने पर शांत हुए। थाना प्रभारी जयवीर सिंह ने बताया कि किसी व्यक्ति को कांवड़ मेले के दौरान अशांति फैलाने नहीं दी जाएगी। आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## 17 साल, एक परिवार और 10 सुसाइड...बीते 21 दिन में चाचा-भतीजे ने दे दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

**मैनपुरी।** उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में सकत गांव है। पिछले 17 सालों में यहां एक परिवार के दस लोगों ने सुसाइड कर लिया। बीते शुक्रवार को परिवार के एक और सदस्य ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक युवक का नाम जितेंद्र बताया जा रहा है और उसकी उम्र 18 साल बताई जा रही है।

इसी परिवार में 21 दिन पहले युवक के चाचा और 4 महीने पहले बहन ने सुसाइड किया था। बताया जा रहा कि शुक्रवार को युवक जामुन खाने के बहाने घर से निकला था। काफी दे तक वापस नहीं आया, जिसके बाद युवक की तलाश शुरू हुई। फिर बाद में घर से एक किमी दूर युवक की लाश बरामद हुई।

मृतक युवक के दादा हीरालाल ने बताया कि मेरा पोता जितेंद्र सुबह

10 बजे खाना खाने के बाद खेतों की ओर यह कहते हुए गया था कि जामुन खाने जा रहा हूं। साथ ही उसने कहा कि धूप ज्यादा है तो बहन का दुपट्टा ले जा रहा हूं।

जब वह काफी देर से वापस वह वापस नहीं लौटा तो मृतक के पिता रामबरन ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उन्हें वह नहीं मिला। इसके बाद करीब दो बजे राहगीरों ने घर से करीब एक किमी दूर, पास के गांव दहेड़ के बाहर उसका शव लटका देखा। इसके बाद सूचना परिवार को दी गई। सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों में चीख पुकार मच गई।

### जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई गजेंद्र ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम के अनुसार शुरुआती जांच में सुसाइड का मामला लग रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मामला स्पष्ट हो पाएगा।

### पिछले 5 महीनों में 4 सुसाइड

परिवार में पिछले 5 महीनों में 4 लोगों ने आत्महत्या कर ली है। इसमें मृतक जितेन्द्र के चचेरे बाबा शेर सिंह ने साढे. चार महीने पहले फांसी लगाकर जान दे दी थी। 4 महीने पहले जितेन्द्र की सगी बहन सौम्या ने घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी थी। जबकि 21 दिन पहले उसके चाचा बलवंत ने फांसी लगाकर जान दे दिया था। और अब जितेन्द्र के इस कदम के बाद परिवार पुरी तरह टूट गया है।

### परिवार में अब कौन बचा?

मृतक के परिवार में अब पिता रामबरन और मां, एक भाई और बहन, दीदी विद्या देवी और बाबा हीरा लाल बचे हैं, जबकि इसके चाचा बलवंत, जिन्होंने 20 दिन पहले सुसाइड किया था। उनके तीन बेटे, एक बेटी और उनकी पत्नी परिवार में बची हैं।

# पहनना है हरे रंग को सूट तो इन बातों का रखें ध्यान, तभी लुक दिखेगा परफेक्ट

हिंदू धर्म के लोगों के लिए सावन का महीना काफी खास माना जाता है। ये महीना भोलेनाथ को समर्पित है, ऐसे में इस महीने भगवान शिव की अराधना होता है। बारिश के इस महीने में चारों ओर हरियाली होती है, इस वजह से भी महिलाएं इस महीने में हरा रंग पहनना पसंद करती हैं।

हरा रंग भगवान शिव को भी अतिप्रिय है। ऐसे में आप भी चाहें तो सावन के में पड़ने वाले त्योहारों में हरे रंग का सूट कैरी कर सकती हैं। हरे रंग का सूट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। इसे कैरी करते समय आपको बस कुछ बातों का ध्यान रखना है, ताकि आपका लुक खराब न दिखे। आइए आपको इन टिप्स के बारे में बताते हैं।

### सही स्टाइल चुनें

आज के समय में सूट कई प्रकार के आते हैं। तो पहले ये फैसला करें कि आप किस तरह का सूट पहनना चाहती हैं। यदि आरामदायक सूट की तलाश में हैं तो प्लाजो और कुर्ता एक बेहतर विकल्प है। इसके अलावा बॉस लेडी लुक के लिए पैंट लुक परफेक्ट रहता है।

### दुपट्टा अवश्य एड करें

सावन में हरे रंग का सूट पहनना चाहती हैं तो उसके साथ दुपट्टा अवश्य एड करें। जरूरी नहीं है कि ये दुपट्टा हरे रंग का ही हो। आप कॉन्ट्रास्ट वाला दुपट्टा भी कैरी कर सकती हैं। जैसे कि हरे रंग के सूट के साथ लाल या फिर पीले रंग का दुपट्टा कमाल का लगेगा। इसे आप पूजा के समय में भी कैरी कर सकती हैं।

### ज्वेलरी हो ऐसी

आजकल मैचिंग ज्वेलरी पहनने का ट्रेंड नहीं है, इसलिए अलग रंग की ज्वेलरी अपने हरे सूट के साथ पहनें। जैसे कि आप इसके साथ लाल कुंदन वाली ज्वेलरी, गोल्ड ज्वेलरी या फिर पीले कुंदन वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। बस ध्यान रखें कि अगर आपका सूट ज्यादा हैवी है तो ज्वेलरी हल्की रखें, वरना आप हैवी ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं।

### मेकअप रखें हल्का

हरे रंग का सूट अपने आप में ही काफी कमाल का लगता है। ऐसे में इसके साथ आपको ज्यादा हैवी मेकअप की जरूरत नहीं है। इसलिए हरे सूट के साथ बहुत ज्यादा ब्राइट मेकअप न करें। इसके साथ केवल न्यूड या पीच टोन लिपस्टिक, विंग्ड आईलाइनर और लाइट ब्लश बढ़िया लगता है।

### हेयर स्टाइल हो सिंपल

वहीं बात करें हेयरस्टाइल की तो हरे रंग के सूट के साथ सॉफ्ट कर्ल, जुड़ा या फ्रेंच ब्रेड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। सूट के साथ इस तरह की हेयर स्टाइल बेहद खूबसूरत लगेगी। खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप अपने हेयर स्टाइल में कुछ खास एक्सेसरीज एड करें, ताकि आपका लुक अलग सा दिखे।

# पीठ के दर्द को कम करने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके, जल्द मिलेगा आराम

पीठ में दर्द एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि गलत तरीके से उठना-बैठना, भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना। हालांकि, कुछ सरल और असरदार उपायों को अपनाकर आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। आइए कुछ ऐसे ही आसान और असरदार उपाय जानते हैं, जिनसे पीठ के दर्द से राहत मिल सकती है।

### रोजाना करें स्ट्रेचिंग

रोजाना स्ट्रेचिंग अभ्यास करना पीठ के दर्द को कम करने का एक बेहतरीन तरीका है। सुबह-सुबह या शाम को थोड़ा समय निकालकर हल्का स्ट्रेचिंग करें। इससे न केवल मांसपेशियों में लचीलापन आता है, बल्कि रक्त का प्रवाह भी बढ़ता है, जिससे दर्द में राहत मिलती है। आप अपनी पीठ के निचले हिस्से और कंधों का स्ट्रेचिंग कर सकते हैं। इसके अलावा आप योग के कुछ आसन भी कर सकते हैं, जो पीठ के लिए फायदेमंद होते हैं।

### सही तरीके से बैठें

काम करते समय सही तरीके से बैठना बहुत जरूरी है। कुर्सी पर बैठते समय पीठ सीधी रखें और कंधों को पीछे की ओर खींचें। पैरों को जमीन पर सपाट रखें और घुटनों को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें। अगर आपकी कुर्सी असहज है तो गद्देदार कुर्सी का उपयोग करें या कुशन लगाएं ताकि आपकी पीठ को सही सहारा मिल सके। इसके अलावा लंबे समय तक एक ही स्थिति में न बैठें, बीच-बीच में थोड़ा टहलें।

### भारी सामान उठाने से बचें

भारी सामान उठाते समय ध्यान रखना चाहिए कि आपका वजन संतुलित हो और सामान को दोनों हाथों से समान रूप से उठाएं। अगर संभव हो तो हाथों में सामान उठाने की बजाय ट्रॉली या कैरियर का उपयोग करें। इसके अलावा भारी चीजों को खींचने या धकेलने की बजाय उन्हें उठाने की कोशिश करें। इससे आपकी पीठ पर अधिक दबाव नहीं पड़ेगा और दर्द की संभावना कम होगी। हमेशा अपनी क्षमतानुसार ही वजन उठाएं और जरूरत पड़ने पर मदद लें।

### आरामदायक बिस्तर पर सोएं

अगर आप किसी असुविधाजनक बिस्तर पर सोते हैं तो यह आपकी पीठ के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए एक अच्छा और आरामदायक बिस्तर चुनें जो आपकी रीढ़ को सही समर्थन दे सके। इसके अलावा तकिया भी सही होना चाहिए ताकि गर्दन और सिर को भी आराम मिले। अगर गद्दा बहुत सख्त या बहुत नरम हो तो उसे बदल दें और अपने सोने की स्थिति पर भी ध्यान दें ताकि आपकी पीठ को सही आराम मिल सके।

### डॉक्टर से करें संपर्क

अगर घरेलू उपायों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान करेंगे और आवश्यक जांच करने के बाद उचित उपचार बता सकेंगे। इसके अलावा डॉक्टर द्वारा बताए गए एक्सरसाइज और दवाओं का सेवन भी करें ताकि जल्द ही ठीक हो सकें। ध्यान रखें कि समय रहते इलाज कराने से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है और जल्दी राहत मिलती है।

# हृदय रोगों के खतरे को आधे से भी कम कर देती है ये एक आदत, आज से ही करिए शुरुआत

हृदय रोगों का खतरा सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ अलर्ट करते हैं। हाल के दिनों में हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से वृद्धि भी देखी गई है जो काफी चिंता बढ़ाने वाली है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में दिल की बीमारियां काफी आम हो गई हैं, इनसे बचाव के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है।

कई शोध बताते हैं कि खान-पान में सुधार के साथ रोजाना सिर्फ पैदल चलने यानी वॉक करने की ही आदत बना ली जाए तो इससे हार्ट डिजीज यानी दिल की बीमारियों से बचाव में काफी मदद मिल सकती है।

### वॉक करने की आदत हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने एक रिपोर्ट में बताया कि नियमित वॉकिंग हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी स्थितियों को नियंत्रित करती है, ये हृदय रोगों से बचान में काफी मददगार हो सकती है। इतना ही नहीं विशेषज्ञ कहते हैं, रोजाना 7,000 से 10,000 कदम चलने से हृदय रोग और इसके कारण मृत्यु का खतरा 50% तक घट जाता है। सप्ताह में 5 दिन भी रोजाना केवल 30 मिनट की वॉक भी कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य सुधार में आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

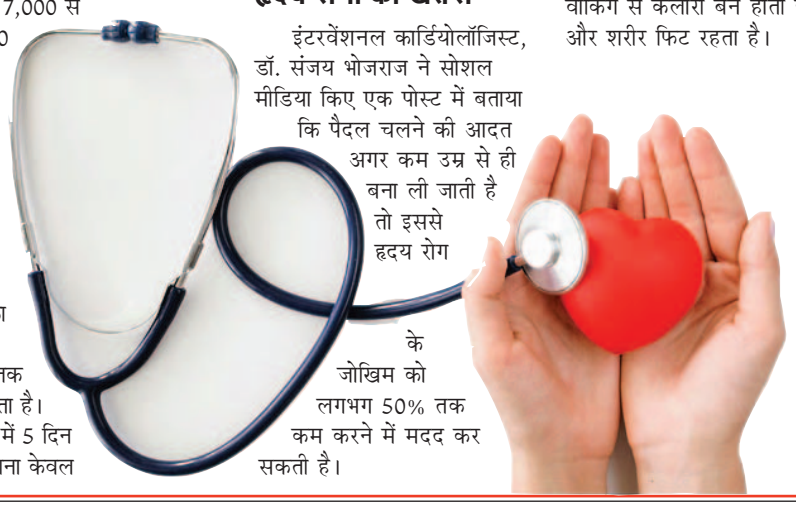

### हृदय संबंधित समस्याएं होती हैं कम

डॉक्टर्स बताते हैं, पैदल चलने से शरीर की नसें रिलैक्स होती हैं और रक्त का संचार बेहतर होता है, जिससे ब्लड प्रेशर प्राकृतिक रूप से कम होता है। इससे स्ट्रोक और हार्ट फेलियर का खतरा भी घटता है। इसके अलावा पैदल चलने की आदत गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक है जिससे धमनियों में ब्लॉकेज की आशंका कम हो जाती है।

वॉक करने की आदत के लाभ के बारे में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा किए गए एक शोध से पता चलता है कि खाने के बाद 15-20 मिनट की वॉक ब्लड शुगर कंट्रोल करने में बहुत असरदार है। शुगर का स्तर कंट्रोल में रहना भी हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

### पैदल चलने से कम होता है हृदय रोगों का खतरा

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. संजय भोजराज ने सोशल मीडिया किए एक पोस्ट में बताया कि पैदल चलने की आदत अगर कम उम्र से ही बना ली जाती है तो इससे हृदय रोग के जोखिम को लगभग 50% तक कम करने में मदद कर सकती है।

हर रोज बस पैदल चलना एक जादुई तरकीब है। 2023 के मेटा-विश्लेषण अध्ययन से पता चला है कि जब कोई व्यक्ति दिन में सिर्फ 20-30 मिनट चलता है तो वह हृदय रोग के जोखिम को 49% तक कम कर देता है।

### वॉक करने के और भी कई फायदे

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नियमित रूप से वॉक करना आपकी सेहत को कई प्रकार से बूस्ट करता है।

वॉक करने की आदत से हार्ट रेट स्थिर रहता है और हृदय अधिक ऑक्सीजन पंप करने में सक्षम होता है।

ये स्ट्रेस और डिप्रेशन को कम करता है, तनाव भी दिल की बीमारियों की बड़ी वजह है।

वॉक करने की आदत एंडॉर्फिन रिलीज करती है, जो मूड को बेहतर बनाता है और स्ट्रेस लेवल को घटाता है।

पैदल चलने की आदत से वजन कंट्रोल में रहता है। ओवरवेट और मोटापा हृदय रोग की मुख्य वजह है। नियमित वॉकिंग से कैलोरी बर्न होती है और शरीर फिट रहता है।

# सुबह के इन पांच आसनों से हटाएं आलस और बढ़ाएं ताकत

अगर हां तो आपकी ऊर्जा का स्तर कम है। आप शरीर की एनर्जी को बढ़ाकर सुस्ती, थकान और दिनभर आने वाली नींद को काबू में कर सकते हैं। इसके लिए अच्छे खानपान के साथ ही योग एक प्राकृतिक उपचार है। सुबह उठने के बाद कुछ योगासनों का अभ्यास करने से आपके ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। सांसों और मसल्स एक्टिवेशन को बढ़ावा मिलात है और शरीर में प्राकृतिक ऊर्जा आती है।

अगर सुबह-सुबह आपको नींद, सुस्ती या लो एनर्जी महसूस होती है तो जरूरत है कुछ ऐसे योगासनों की जो न सिर्फ आपके शरीर को जगाएं, बल्कि आपके दिमाग को भी ताजगी और फोकस दें। यहां जानिए पांच आसान लेकिन असरदार ऊर्जा बढ़ाने वाले योगासनों के बारे में, जो हर उम्र के लोग कर सकते हैं।

सुबह के पांच ऊर्जा बढ़ाने वाले योगासन

### सूर्य नमस्कार

अगर आपको दिनभर सुस्ती महसूस होती है। शरीर भारीपन लगता है, कुछ करने का मन न होता या थकान महसूस होती हो तो आपको रोज सुबह सूर्य नमस्कार से अपने दिन की शुरुआत करनी चाहिए। ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और शरीर की थकान को दूर करने के लिए आप सूर्य नमस्कार कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। इससे शरीर में लचीलापन आता है, पाचन में सुधार होता है और तनाव कम होता है।

### वज्रासन में ध्यान

इस आसन में बैठकर ध्यान लगाने से मन शांत होता है और ऊर्जा का संतुलन बना रहता है। वज्रास के अभ्यास के लिए घुटनों को मोड़कर पैरों के बल बैठ जाएं। इस दौरान रीढ़ को सीधा रखें और हाथ घुटनों पर रखें। इस मुद्रा में कम से कम 5-10 मिनट तक बैठें और ध्यान लगाएं।

### भुजंगासन

भुजंगासन पीठ की ताकत बढ़ाकर थकान को कम करता है। यह पाचन अंगों को उत्तेजित करता है और पाचन रस के स्त्राव को बढ़ाता है जिससे पाचन में सुधार और कब्ज से राहत मिलती है। यह गैस और अपच की समस्या को दूर करता है। पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस योग से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

### उत्तानासन

यह आसन रीढ़ को रिलैक्स करता है और ब्लड फ्लो बढ़ाता है।

इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर धीरे-धीरे अपने कूल्हों से आगे की ओर झुकें। अपने हाथों से फर्श को छूएं। सिर को आराम देते हुए गहरी सांस लें। इस मुद्रा को 20-30 सेकंड तक बनाए रखें।

### त्रिकोणासन

यह आसन साइड मसल्स को एक्टिव करता है और थकावट दूर करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर संतुलित रहता है। ये आसन साइड फैट, कमर और पेट के आसपास की चर्बी को कम करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें। अपने हाथों को कंधे के स्तर तक फैलाएं और श्वास लेते हुए दाहिनी ओर झुकें। दाहिने हाथ से दाहिने पैर को छूने की कोशिश करें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।

# क्या 18 जुलाई को जारी हो सकती है 20वीं किस्त? किसान यहां जानें क्यों कहा जा रहा है ऐसा

अगर आप पीएम किसान योजना से जुड़े हैं और आपको भी 20वीं किस्त का इंतजार है, तो जान लें कि अब चर्चा 18 जुलाई की हो रही है। माना जा रहा है कि 20वीं किस्त इस दिन जारी हो सकती है।

देशभर में चलने वाली अलग-अलग योजनाओं के जरिए जरूरतमंद और गरीब वर्ग को लाभ देने का काम किया जाता है। इसी क्रम में सरकार उन किसानों की भी मदद करती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिन्हें खेती करने के लिए आर्थिक मदद की जरूरत होती है। इसके लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चलाती है।

इस योजना का लाभ सिर्फ किसानों को दिया जाता है जिसके तहत उन्हें सालाना 6 हजार रुपये देने का प्रावधान है। वहीं, इस पैसे को 2-2 हजार रुपये की तीन किस्तों में दिया जाता है। ऐसे में अब तक कुल 19 बार ये रकम किसानों के बैंक खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है और अब बारी 20वीं किस्त की है, जिसको लेकर अब चर्चा है कि 18 जुलाई को ये किस्त जारी हो सकती है। तो चलिए जानते हैं ऐसा क्यों कहा जा रहा है। किसान आगे इस बारे में जान सकते हैं...

### कितने पैसे आने हैं?

पीएम किसान योजना के अंतर्गत इस बार 20वीं किस्त जारी होनी है। ऐसे में इस किस्त के अंदर 2 हजार रुपये योजना से जुड़े प्रत्येक किसान को दिए जाएंगे। हर एक किस्त में 2-2 हजार रुपये ही दिए जाते हैं और इस तरह साल में तीन किस्त यानी सालाना कुल 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है।

### क्या 18 जुलाई को जारी हो सकती है किस्त?

कई मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की चर्चा तेज है कि 18 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20वीं किस्त जारी कर सकते हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक तौर पर ऐसी घोषणा नहीं हुई है। दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी 18 जुलाई 2025 को बिहार के मोतिहारी जाएंगे। जहां वे शहर के गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इस जनसभा से पीएम मोदी प्रदेश के लोगों को कई सारी सौगात देंगे। माना जा रहा है कि इसी कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से करोड़ों पात्र किसानों के बैंक खाते में हस्तांतरित कर सकते हैं। पर ऐसा होगा कि नहीं इसके लिए अभी आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

गौरतलब, है कि पीएम नरेंद्र मोदी 9 जुलाई तक विदेशी दौरे पर हैं और इसके बाद जब वे देश आएंगे, तभी पीएम किसान योजना के तहत जारी होने वाली 20वीं किस्त रिलीज की जाएगी। हर बार एक भव्य कार्यक्रम कर किस्त जारी की जाती है और इस दौरान पीएम मोदी योजना के लाभार्थियों से संवाद भी करते हैं।

# भारतीय अर्थव्यवस्था की सुपरफास्ट रफ्तार, रिकॉर्ड तोड़ निर्यात और 6.5 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ के साथ दुनिया में सबसे आगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है, और दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी जगह बना चुकी है। वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5त्न की शानदार जीडीपी बढ़ोतरी , रिकॉर्ड तोड़ निर्यात और नियंत्रण में आई मुद्रास्फीति ने भारत की आर्थिक कहानी को और भी मजबूत किया है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार, इस वैश्विक परिवेश में, भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रगति का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। मजबूत घरेलू विकास कारकों, बेहतर मैक्रोइकोनॉमिक मूलतत्त्व और सूझबूझ भरी नीतियों के चलते विकास की गति में उछाल आ रहा है।

### विकास की मजबूत रफ्तार

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उम्मीद है कि विकास की यह गति 2025-26 में भी जारी रहेगी। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्च सार्वजनिक निवेश के कारण संभव हुआ है। पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग तीन गुना हो गया है, जो 2014-15 में 106.57 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

### महंगाई पर बड़ी राहत

अर्थव्यवस्था के लिए एक और बड़ी सकारात्मक खबर मुद्रास्फीति के मोर्चे पर है। मई 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर घटकर 2.82त्न पर आ गई, जो फरवरी 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इससे भी बड़ी राहत खाद्य वस्तुओं की कीमतों में देखने को मिली, जहां उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मात्र 0.99त्न दर्ज किया गया , जो अक्टूबर 2021 के बाद की सबसे कम खाद्य मुद्रास्फीति है।

### विदेशी मोर्चे पर भी शानदार प्रदर्शन

भारत का बाहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था को एक मजबूत सहारा दे रहा है।

रिकॉर्ड निर्यातः 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 824.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गया। यह एक दशक पहले 2013-14 के 466.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77त्न की वृद्धि दर्शाता है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्नष्ठद्ब): भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक शीर्ष विकल्प बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में एफडीआई प्रवाह 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह 2013-14 में मिले 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर के दोगुने से भी अधिक है। विदेशी मुद्रा भंडारः भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 20 जून, 2025 तक 697.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विशाल स्तर पर था। यह 11 महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है, जो वैश्विक झटकों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

### बाजार में बढ़ता भरोसा

भारतीय पूंजी बाजार में निवेशकों का भरोसा उच्चतम स्तर पर है। देश में खुदरा निवेशकों की संख्या 2019 में 4.9 करोड़ से 2.7 गुना बढ़कर 2024 के अंत तक 13.2 करोड़ हो गई। इसके अलावा, वैश्विक आईपीओ लिस्टिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 30त्न हो गई, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

संक्षेप में, भारत ने उच्च विकास दर और मूल्य स्थिरता के बीच एक सफल संतुलन बनाया है। मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के साथ, भारत वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और एक सुदृढ़ भविष्य के निर्माण के लिए अच्छी स्थिति में है।

# नेशनल हाईवे पर अब आधा लगेगा टोल टैक्स, सरकार ने 50प्रतिशत तक की कटौती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने टोल टैक्स के नियमो में बदलाव किया है। जिसके तहत सरकार ने कुछ खास हाइवेज पर टोल टैक्स में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल टैक्स के नए नियमों को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके चलते अब लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को कम टोल देने होगा। नए नियमों के तहत टोल टैक्स की गणना अब दो अलग-अलग तरीके से की जाएगी। ह्न्रद्ब के आदेश के मुताबिक, नए नियम के अनुसार, अगर हाईवेज में पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड होंगे तो टोल की गणना दो तरीके से की जाएगी। पहला, संरचना की लंबाई को 10 गुना करके अन्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा पूरी संरचना की लंबाई को पांच गुना करके, दोनों में से जो भी कम होगा, वही टोल की गणना का आधार बनेगा। इस नियम का लाभ एक्सप्रेस-वे या लंबी दूरी के यात्रियों को ज्यादा होगा। इस नए नियम के जरिए सरकार का मकसद यात्रा के खर्च को कम करना है। नए नियमों का सबसे ज्यादा फायदा बाइपास और रिंग रोड्स पर सफर करने वाले लोगों को मिलेगा।

# भुट्टो परिवार तो पहले से ही भारत... हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की बात से अपने नेता पर ही भड़क उठा तल्हा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो अपनी ओर दिए गए एक बयान को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अल-जजीरा के साथ एक इंटरव्यू में हाफिज सईद को लेकर की गई टिप्पणी के लिए उनका पाकिस्तान में विरोध हो रहा है। इंटरव्यू में बिलावल भुट्टो ने भारत के वांटेड पाकिस्तानी आतंकवादियों को भारत प्रत्यर्पित करने की पेशकश की थी, जिससे लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के बेटे तल्हा को ठेस पहुंची है।

भुट्टो की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तल्हा ने उन पर 'गैर-जिम्मेदाराना पेशकश' करने का आरोप लगाया है। तल्हा ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों के प्रत्यर्पण की पेशकश करने के बजाय पाकिस्तान सरकार को भारतीय नेताओं के प्रत्यर्पण की मांग करनी चाहिए। उन्होंने भुट्टो की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उनके परिवार का पाकिस्तान के खिलाफ पश्चिमी और भारतीय नरेटिव के बोझ को उठाने का इतिहास रहा है।

शुक्रवार को कतर के न्यूज चैनल अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में भुट्टो ने कहा था कि उनके देश को हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत को 'विश्वास बहाली के उपाय' के रूप में सौंपने पर कोई आपत्ति नहीं है। भुट्टो ने लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख सईद और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को सद्भावना के तौर पर प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि पाकिस्तान 'चिंता के विषय वाले व्यक्तियों' को भारत को प्रत्यर्पित करने के लिए तैयार है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की 'इच्छा' दिखाए।

### भुट्टों के जवाब ने पाकिस्तान को शर्मसार किया

रविवार को एक वीडियो जारी कर तल्हा ने दावा किया कि भुट्टो की ओर से हाफिज सईद को लेकर दिए गए बयान ने पाकिस्तान को दुनिया भर में शर्मसार किया है। उन्होंने कहा, "बिलावल भुट्टो का अपने पिता को भारत जैसे शत्रु देश को सौंपने का सुझाव अस्वीकार्य है और हम और हमारा समुदाय इसका विरोध करेगा।"

# ब्रिक्स सम्मेलन में एक तरफ हुई बड़े-बड़े मुद्दों पर चर्चा, दूसरी तरफ चीन ने चिकन मीट पर लिया फैसला

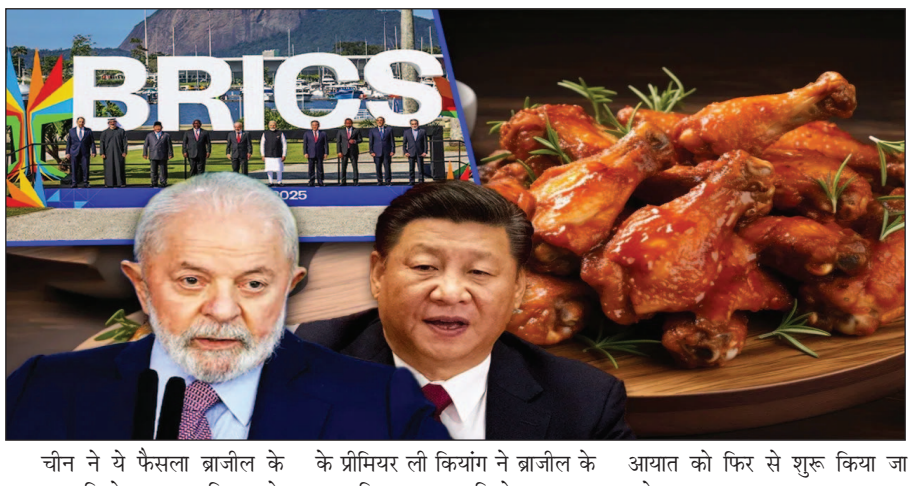


**बीजिंग।** ब्रिक्स सम्मेलन में एक तरफ दुनिया के बड़े-बड़े मुद्दे- टैरिफ, पहलगाम हमला, ईरान इजराइल युद्ध आदि पर चर्चा की जा रही है। वहीं चीन ने ब्रिक्स समिट के दौरान चिकन मीट आयात पर बड़ा फैसला किया है। इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ब्राजील में हो रहा है, जो दुनिया का सबसे बड़ा चिकन निर्यातक देश है।

पिछले कुछ महीनों में इसके एक फार्म पर बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) की पुष्टि हुई थी। इसके बाद चीन ने ब्राजील से चिकन मीट के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। चीन के साथ 20 से ज्यादा देशों ने भी ब्राजील से पोल्ट्री प्रोडक्ट्स को खरीदना बंद कर दिया था। हालांकि, अब चीन इस प्रतिबंध को जल्द हटाने पर विचार कर रहा है।

चीन ने ये फैसला ब्राजील के लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ बैठक के बाद किया है। ब्राजील के कृषि मंत्री कार्लोस फावारो ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के प्रीमियर ली कियांग ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मीटिंग में इस मुद्दे पर चर्चा की है। फावारो ने कहा कि चीन अब प्रोटोकॉल की समीक्षा कर रहा है ताकि ब्राजील से पोल्ट्री मीट का आयात को फिर से शुरू किया जा सके।

### कई और देशों ने हटाया प्रतिबंध

हालांकि जून के आखिर तक विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) की ओर से बर्ड फ्लू खत्म होने की जानकारी देने के बाद अधिकांश देशों ने प्रतिबंध हटा लिया है। अभी भी चीन, मलेशिया और पेरू समेत 9 देश ब्राजील से चिकन आयात पर रोक लगाए हुए हैं।

### ब्राजील का पोल्ट्री निर्यात

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ब्राजील के पोल्ट्री निर्यात में गिरावट आई है, जून में ताजा चिकन मीट की खेप 23 फीसद घटकर 314,000 टन रह गई। गुरुवार को कृषि मंत्रालय ने ऐलान किया कि सात और देशों ने प्रतिबंध हटा दिए हैं। ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी इस बार ब्राजील कर रहा है और इस दौरान वह इस मुद्दे को भी हल करने और मीट निर्यात बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है।

# तुर्की सेना के साथ इराक में बड़ा हादसा, गुफा में मारे गए एर्दोगन के 8 सैनिक

**इस्तांबुल।** उत्तरी इराक में तुर्की सैनिक के साथ एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी, "रविवार को उत्तरी इराक में एक गुफा के अंदर 2022 में कुर्दिश आतंकवादियों द्वारा मारे गए एक साथी सैनिक के अवशेषों की खोज करते समय मीथेन गैस के संपर्क में आने से आठ तुर्की सैनिकों की मौत हो गई।" ये सैनिक एक पहाड़ी गुफा के अंदर थे, अवशेषों को तलाश करते-करते उनमें से 19 गैस के संपर्क में आ गए। जिसकी वजह से 8 सैनिकों की दम घुटने मौत हो गई।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "सैनिकों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सभी कोशिशों के बावजूद, आठ जवान शहीद हो गए।" साथ ही बताया कि क्षेत्र में बचाव अभियान जारी है। मंत्रालय ने घटना के लिए 'क्लॉ-लॉक ऑपरेशन क्षेत्र' के अलावा कोई खास स्थान नहीं बताया, जो अप्रैल 2022 में उत्तरी इराक में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या PKK के खिलाफ शुरू किए गए एक ऑपरेशन का संदर्भ है।

### तीन साल से हो रही सैनिक के अवशेषों की खोज

मंत्रालय ने कहा कि मीथेन गैस से प्रभावित तुर्की इकाई मई 2022 में सर्च-एंड-क्लियर ऑपरेशन के दौरान आतंकवादी गोलीबारी से मारे गए एक सेना अधिकारी के अवशेषों की तलाश कर रही थी। पिछले तीन सालों से टीमें उसके अवशेषों की तलाश कर रही हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली है।

### खतरनाक है गुफा

जिस गुफा में खोज की जा रही थी वह गुफा 852 मीटर (2,795 फीट) की ऊंचाई पर है और ऐसा माना जाता है कि अतीत में PKK की ओर से इसे अस्पताल के रूप में इस्तेमाल किया गया था, हालांकि बाद में इसे तुर्की सैनिकों द्वारा साफ कर दिया गया था। तुर्की और PKK के बीच पिछले 40 साल से संघर्ष चल रहा है, जो इराक और सीरिया बॉर्डर तक फैला हुआ है, तुर्की ने उत्तरी इराक में कई ठिकाने बनाए हैं, जहां PKK दशकों से मौजूद है। हालांकि अब तुर्की सरकार और PKK में एक समझौता हुआ है, जिसके तहत PKK लड़ाकों से अगले कुछ दिनों में अपने हथियार सौंपने की उम्मीद है।

# चुनाव से पहले ही करना होगा देश में सुधार, यूनुस के करीबी ही देने लगे धमकी....

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की सत्ता संभाले हुए मोहम्मद यूनुस को लगभग 10 महीने हो गए हैं, लेकिन देश के हालात दिन बा दिन बिगड़ते जा रहे हैं। यूनुस ने सत्ता संभालते हुए देशवासियों को जो सपने दिखाए थे, उनको अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। राजनीतिक दलों के दबाव के बाद अंतरिम सरकार दिसंबर से जून 2026 तक चुनाव कराने की बात कर चुकी है, लेकिन अब यूनुस के सहयोगी ने ही उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (NCP) ने रविवार शाम राजशाही में 'जुलाई पोडोजात्रा और पोथोसोभा' का आयोजन किया, जिसका मकसद लोकतांत्रिक सुधारों और सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए अपना आह्वान को दोहराना था। NCP उन्ही छात्रों द्वारा बनाई गई पार्टी है, जो शेख हसीना के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों का चेहरा थे। इन्ही छात्रों ने यूनुस को देश का मुख्य सलाहकार बनाने का फैसला किया था। अब यही लोग देश में लोकतांत्रिक सुधारों और सत्ता के विकेन्द्रीकरण की मांग कर रहे हैं।

### सुधारों का सपना नहीं हुआ पूरा

एक भीड़ को संबोधित करते हुए NCP संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, "यह पीढ़ी बांग्लादेश के लिए एक नए लोकतांत्रिक संविधान का वादा करती है, ऐसा संविधान जो अपने लोगों के अधिकारों को सुनिश्चित करेगा और निरंकुशता को खत्म करेगा।" 5 अगस्त की घटनाओं का जिक्र करते हुए नाहिद ने कहा, "हमने सुधारों के जरिए बांग्लादेश के पुनर्निर्माण का सपना देखा था। लेकिन 5 अगस्त के बाद विभिन्न ताकतों ने उस रास्ते को अवरुद्ध कर दिया है। जो लोग सुधार के रास्ते में खड़े हैं, उन्हें लोग कभी माफ नहीं करेंगे।"

नाहिद ने ये भी कहा कि इन सुधारों को चुनावों से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नाहिद यूनुस के करीबी माने जाता है, लेकिन अब वह अंतरिम सरकार पर काम करने और अपने वादों को पूरा करने का दबाव बना रहे हैं।

### कब होंगे बांग्लादेश में चुनाव?

दबाव और विरोध के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ऐलान किया है कि देश में आम चुनाव दिसंबर से जून 2026 तक करा दिए जाएंगे। यूनुस लंबे समय से चुनावों को टाल रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वादा किया हैं कि वह जून 2026 से आगे कुर्सी नहीं संभालेंगे।

# बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

## 10 जुलाई को याचिकाओं पर होगी सुनवाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने इस मामले में दायर याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग के इस कदम की वैधता पर निर्धारित तिथि को विचार करेगा।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के नेतृत्व में कई याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत दलीलों को संज्ञान में लेते हुए गुरुवार (10 जुलाई) को मामले की सुनवाई के लिए सहमति जताई। सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि वह इन याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी करे। इस पर न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, हम इस मामले को गुरुवार को सुनेंगे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में राजद सांसद मनोज झा, एडीआर और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने याचिका दायर की है। मनोज झा ने चुनाव आयोग के उस निर्णय को अदालत में खारिज करने की मांग की है, जिसमें आयोग ने बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। राजद का कहना है कि विधानसभा चुनाव के ठीक कुछ महीने पहले इस तरह की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है।

मनोज झा ने कहा कि निर्वाचन आयोग का 24 जून का आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार), अनुच्छेद 325 (जाति, धर्म और लिंग के आधार पर किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता) और अनुच्छेद 326 (18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका प्रत्येक भारतीय नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के योग्य है) का उल्लंघन करता है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

वहीं महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा कि वह निर्वाचन आयोग के 24 जून के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध करती हैं, जिसके तहत संविधान के विभिन्न प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है।

महुआ ने अपनी याचिका में कहा, अगर इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो यह देश में बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है, जिससे लोकतंत्र, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कमजोर हो सकते हैं। महुआ ने शीर्ष अदालत से भारत निर्वाचन आयोग को देश के अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के इस तरह के आदेश जारी करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' भी एक याचिका दायर कर चुका है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश को चुनौती दी गई है। चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआईआर करने के निर्देश जारी किए थे, जिसका उद्देश्य अपात्र नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना था कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

# नियंत्रक सम्मेलन का उद्घाटन, राजनाथ सिंह बोले– दुनिया की नजर भारत के रक्षा क्षेत्र पर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) द्वारा आयोजित नियंत्रक सम्मेलन का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिये दुनियाभर ने हमारे सैनिकों का जज्बा और युद्ध प्रणाली को देखा। आज हमारे रक्षा क्षेत्र पर पूरी दुनिया की नजर है।

उन्होंने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो वीरता दिखाई है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में जो परिवर्तनकारी बदलाव हो रहे हैं, वे पहले ऐसे नहीं थे। आज के बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक धोखा है, इसके अलावा कुछ नहीं। मुझे लगता है कि हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए। लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं जो हमें जगाती है और हमें कुछ और करने की आवश्यकता का अहसास होता है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में करने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। इसके पीछे कारण यह है कि पूरा विश्व पुनः शस्त्रीकरण के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में कई पूंजी निवेश किए जा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आपने नियंत्रक सम्मेलन आयोजित किया है, लेकिन मुझे लगता है कि आपका दिमाग खुला और ग्रहणशील होना चाहिए। रक्षा लेखा विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखना नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था का भी अहम हिस्सा है। जब आप ईमानदारी से काम करते हैं, तो इसका असर हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों तक भी पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनके पीछे एक सिस्टम है जो हर परिस्थिति में उनके साथ रहेगा।

### हमारा रक्षा बजट बहुत बड़ा

राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें तो यह दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें। सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती करके। उन्होंने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जैम पोर्टल से पूंजी खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे यह भी बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डाटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है।

रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) सात से नौ जुलाई तक राष्ट्रीय राजधानी में नियंत्रक सम्मेलन 2025 की मेजबानी कर रहा है। इसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) एसजी दस्तीदार और रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ मयंक शर्मा शामिल हो रहे हैं। यह सम्मेलन नीतिगत संवाद, रणनीतिक समीक्षा और संस्थागत नवाचार का एक प्रमुख मंच है। यह रक्षा और वित्त क्षेत्रों में रक्षा लेखा विभाग के शीर्षस्थ नेतृत्व, सिविल सेवकों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और हितधारकों को एक साथ लाता है।

### क्या है सम्मेलन का उद्देश्य, समझिए

वहीं बात अगर इस सम्मेलन के उद्देश्य की करें तो यह सम्मेलन रक्षा और वित्त क्षेत्रों के विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों, थिंक टैंकों और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाकर रक्षा वित्तीय प्रणाली की समीक्षा, सुधार और भविष्य की दिशा तय करने का काम करता है। वहीं इस बार का विषय वित्तीय सलाह, भुगतान, ऑडिट और रक्षा वित्त और अर्थशास्त्र के जरिए लेखांकन में बदलाव है। बता दें कि यह डीएडी को पारंपरिक अकाउंटिंग विभाग से बदलकर आधुनिक और रणनीतिक रक्षा वित्त संस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अब बात अगर इस सम्मेलन में मुख्य बिंदू की करें तो सम्मेलन में आठ उच्चस्तरीय सत्र (मंथन सत्र) होंगे, जिनमें बजट सुधार, आंतरिक ऑडिट में बदलाव, मूल्य निर्धारण (प्राइसिंग), संयुक्त शोध, और क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

# ट्रोलर्स पर भड़कीं उर्फी जावेद, बोलीं नफरत नहीं रोक पाएगी

करण जौहर का शो द ट्रेटर्स जीतने के बाद, उर्फी जावेद ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए बताया है कि कैसे उन्हें कुछ लोगों से धमकियां और अपमानजनक मैसेज मिल रहे हैं।

उर्फी ने इंस्टाग्राम पर ट्रोलर्स के मैसेज के स्क्रीनशॉट्स पोस्ट करते हुए लिखा, जब आपको कोई लड़की पसंद नहीं आती, तो बस आप उसके लिए आर शब्द छोड़ देते हैं। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा जब मुझे इस तरह से धमकियां या गाली मिल रही है, लेकिन इस बार यह मेरे कपड़ों की वजह से नहीं बल्कि मेरे शो जीतने की वजह से हो रहा है। जब आपका मनपसंद खिलाड़ी नहीं जीतता, तो आप गाली देने लगते हो। ये मेरे अपलोड किए गए अच्छे वीडियो हैं, मैं चाहे कुछ भी कर लूं, लोगों को बस नफरत फैलाना और गाली देना पसंद है। अगर हर्ष को शो से न निकालती तो प्यार में अंधी, हर्ष को निकाल दिया तो धोखेबाज। पूरब को जीतने देती तो बेवकूफ, जीतने नहीं दिया तो धोखेबाज। नफरत ने मुझे पहले कभी नहीं रोका और न अब रोक पाएगी।

उर्फी जावेद को उनके बोल्ड और रिवीलिंग आउटफिट्स को लेकर हमेशा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। हालांकि, वह खुलकर कहती हैं कि उन्हें ट्रोलर्स से बिल्कुल फर्क नहीं पड़ता है। बता दें, उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने करण जौहर द्वारा होस्ट किए गए शो द ट्रेटर्स के पहले सीजन में विजेता का खिताब जीता। दोनों को प्राइज मनी के तौर पर 70।05 लाख रुपए मिले। फिनाले में उर्फी, निकिता, हर्ष और सुधांशु क्वालीफायर थे। सुधांशु के बाहर होने के बाद, निकिता और उर्फी ने हर्ष और पूरब के खिलाफ वोट देकर बाहर कर दिया।

द ट्रेटर्स में कई जाने-माने लोगों ने हिस्सा लिया था। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा मखीजा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्हवी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरब झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद थे।

इस शो में कई कंटेस्टेंट इनोसेंट थे, जिन्हें ट्रेटर्स की पहचान करनी थी। यह शो प्राइम वीडियो पर 12 जून को रिलीज हुआ था, जिसका निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया प्रोडक्शंस और ऑल 3 मीडिया इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया। शो आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी पुरस्कार विजेता फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है।

# राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की फिल्म मालिक का टाइटल सॉन्ग राज करेगा मालिक हुआ रिलीज

राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मालिक के निर्माताओं ने इसका टाइटल ट्रैक राज करेगा मालिक रिलीज कर दिया गया है। मालिक 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक राज करेगा मालिक रिलीज कर दिया है। इस गाने में राजकुमार का स्वैग और मानुषी का जबरदस्त डांस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। तो वहीं कुछ यूजर्स मालिक के गाने राज करेगा मालिक को शाहिद कपूर की विवाह के एक गाने से कंपेयर कर रहे हैं।

टाइटल ट्रैक बीट्स और वीरता का एक जोशीला मिश्रण है, जिसे गतिशील जोड़ी सचिन-जिगर ने संगीतबद्ध किया है, जिसे अकासा ने आवाज़ दी है और एमसी स्क्वायर ने धमाकेदार रैप दिया है, तथा इसे महान अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। अपनी धड़कती लय और विद्रोही भावना के साथ, यह गाना प्लेलिस्ट पर छा जाने और फिल्म की उच्च-दांव वाली दुनिया के लिए टोन सेट करने के लिए तैयार है।

मालिक, एक आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन डायरेक्टर पुलकित ने किया है। राजकुमार राव फिल्म में लीड रोल में दिखाई देने वाले हैं। इसमें राजकुमार के अपोजिट मानुषी छिल्लर नजर आएंगी। इस एक्शन-थ्रिलर में राजुकमार एक गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है। मालिक का निर्माण टिप्स फिल्म्स और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स ने किया है। यह फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार हैL।

# आमिर खान की साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक से मची सनसनी, रजनीकांत की फिल्म कूली में उड़ाएंगे गर्दा

सितारे जमीन पर के बाद, आमिर खान रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कूली में कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अपनी तमिल डेब्यू फिल्म में दाहा का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक रिलीज कर दिया है और इंटरनेट पर लोग इसे देखकर हैरान रह गए।

आमिर खान का ब्लैक बनियान पहने, स्टाइलिश स्वैग से सिगार पीते हुए, धांसू लुक इंटरनेट पर छाया हुआ है। यह किरदार उनके हाल के वर्षों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग लुक है। एक्स पर पोस्ट की गई एक मोनोक्रोम तस्वीर में उनका साइड प्रोफाइल लुक जिसमें वे चश्मा पहने हुए हैं, शेयर किया गया है। इसके साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा, कूली की दुनिया से आमिर खान को दाहा के रूप में पेश करते हुए कूली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है।

कूली से सामने आए आमिर के इस लुक ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। दर्शकों को आमिर का यह लुक खूब पसंद आ रहा है। एक यूजर ने कमेंट किया, आमिर का यह मास अवतार वाकई कमाल का है। एक ने लिखा, क्या स्वैग है। एक ने कमेंट किया, क्या एटीट्यूड और स्वैग है, दाहा के लिए एकदम परफेक्ट। एक ने कमेंट किया, यह फिल्म एकदम ब्लॉकबस्टर होने वाली है।

हाल ही में आमिर ने रजनीकांत में अपने होने की पुष्टी की थी, उन्होंने बताया था कि वह इस फिल्म को करने के लिए इसलिए माने क्योंकि वे रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं। कूली में उनके कैमियो के बारे में एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा, मुझे यह करने में बहुत मजा आया। मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं। मेरे मन में रजनी सर के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। इसलिए, मैंने सक्रिप्ट भी नहीं सुनी। जब लोकेश ने मुझे बताया कि यह रजनी सर की फिल्म है और वह चाहते हैं कि मैं इसमें कैमियो करूं, तो मैंने कहा, ठीक है, मैं इसे कर रहा हूं, जो भी हो, मैं इसे कर रहा हूं।

इस बीच आमिर खान लाल सिंह चड्ढा के तीन साल बाद सितारे जमीन पर के साथ फिल्मों में लौटे, इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख और 10 ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने पहली बार बड़ी स्क्रीन पर परफॉर्मेंस दी।

कूली एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसे लोकेश कनगराज ने निर्देशित और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। रजनीकांत फिल्म में लीड रोल में हैं, उनके साथ सौबिन शाहिर, नागार्जुन, श्रुति हासन, सत्यराज और उपेंद्र अहम रोल में हैं। कूली को 2025 में दुनिया भर में वर्ल्डवाइल्ड और आईमैक्स में रिलीज किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com